डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -58 | प्रयागराज, बुधवार 03 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

खेलःआईपीएल 2023ः पंजाब किंग्स के सामने...

सिनेमाःरवीना ने कहा-फिल्म इंडस्ट्री...

संक्षिप्त समाचार

कांगड़ा में बस हादसा,नौ यात्री घायल

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में शाहपुर के समीप राज्य परिवहन निगम की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार नौ यात्री घायल हो गये। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हिमाचल सड़क परिवहन निगम की बस में तकनीकी खराबी आने के कारण सोमवार देर रात यह दुर्घटना हुई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल नौ यात्रियों को शाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

बुलंदशहर में 12 लाख रुपये कीमत के अवैध पटाखे के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

बुलंदशहर। जिले के डिबाई थाने की पुलिस ने एक गोदाम से 12 लाख रुपये से अधिक कीमत के अवैध पटाखे जब्त करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी मंगलवार को दी। पुलिस के अनुसार जिले के डिबाई थाने की पुलिस ने सोमवार को एक गोदाम से अवैध पटाखे जब्त किये और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार लगभग 12 लाख रुपये के 50 कार्टून अवैध पटाखे जब्त किए गए हैं। डिबाई थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ)छोटे सिंह ने बताया कि पुलिस ने सोमवार को एक सूचना के आधार पर अखिल कुमार को गालिबपुर रोड स्थित गोदाम से 50कार्टून अवैध पटाखे सहित गिरफ्तार किया।

जम्मू और कश्मीर के राजौरी में नियंत्रण रेखा के पास मोर्टार का गोला बरामद

राजौरी/जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के निकट 120 मिलीमीटर का मोर्टार का एक गोला मिला है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने सोमवार रात कलाल सीमा इलाके में नदी के किनारे गोला पड़ा देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। अधिकारी के अनुसार सूचना मिलने पर सेना के बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया और नियंत्रित विस्फोट के जरिये गोले को नष्ट किया गया।

कर्नाटक में पीएम का कांग्रेस पर निशाना,बोले-पहले श्री राम को ताले में बंद किया, अब जय बजरंगबली बोलने वालों को...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति वार-पलटवार का दौर जारी है। अब राज्य में बजरंगबली को लेकर भी राजनीति तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होसपेट में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस को भगवान राम से दिक्कत थी और अब उसे 'जय बजरंग बली' कहने वालों से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है।

आपको बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनने पर बजरंग दल जैसे संगठनों को बैन करने का वादा किया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के दशकों के शासन ने शहरों और गांवों के बीच खाई को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया था, भाजपा सरकार गांव और शहर के बीच खाई को लगातार कम करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि आज हमारे गांवों के बीच शहरों जैसी सुविधा पहुंच रही है। गांव से जुड़ी दूसरी चुनौतियों का भी भाजपा सरकार समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक की मान-मर्यादा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी। बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविधा देने के लिए... नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

मोदी ने कहा कि हम्पी एक ऐसी जगह है जिसपर भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को गर्व है लेकिन गुलामी की मानसिकता से भरी कांग्रेस ने कभी भी भारत के इतिहास और विरासत पर गर्व नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसका नुकसान हम्पी जैसे स्थानों को भी उठाना पड़ा। यह बीजेपी की ही सरकार है जो अब 'स्वदेश दर्शन' के जरिए हम्पी की ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण कर रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसे इस देश के हर क्षेत्र ने नकार दिया है। एक समय था जब कांग्रेस इस घमंड में रहती थी कि पूरे भारत में पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का ही शासन है लेकिन आज भारत की जनता ने कांग्रेस को गिने-चुने राज्यों में समेट दिया है। आज सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है लेकिन इन तीन राज्यों से कांग्रेस की करप्शन की भूख मिट नहीं रही है।

आतंकवाद के वित्त पोषण का मामला में एनआईए ने कश्मीर में कई स्थानों पर छापे मारे

श्रीनगर। व्यापक कार्रवाई में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जम्मू और कश्मीर में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, दक्षिण और मध्य कश्मीर में तलाशी चल रही है। राजौरी और पुंछ के जुड़वां सीमावर्ती जिलों से भी छापे मारे जाने की सूचना है। एनआईए की यह कार्रवाई पुंछ में घातक आतंकी हमले के कुछ

हफ्तों बाद आई है जिसमें पांच सैनिक मारे गए थे। माना जाता है कि दो समूहों में सात से आठ आतंकवादियों ने 20 अप्रैल को सेना के ट्रक पर हमला किया था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकवाद के वित्त पोषण के संबंध में मंगलवार को तड़के कश्मीर घाटी में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे और पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यहां बताया कि श्रीनगर, अवंतीपुरा, पुलवामा, कुलगाम और अनंतनाग में तकरीबन 12 स्थानों पर छापे मारे गए। उन्होंने बताया कि एनआईए ने श्रीनगर के सोजेथ इलाके से पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान इशाक अहमद भट के रूप की गयी है। संदिग्ध के पिता मोहम्मद रमजान भट ने को बताया, ''एनआईए सुबह साढ़े पांच बजे से छह बजे के बीच पहुंची। उन्होंने इशाक के बारे में पूछा और उसे साथ ले गए तथा उसका मोबाइल फोन भी ले लिया। वह मजदूरी करता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे किसी आतंकवादी समूह या पथराव की घटनाओं से कोई संबंध नहीं है।'' इशाक के भाई बिलाल भट ने बताया कि इशाक पढ़ा-लिखा नहीं है और खिड़कियों के शीशे लगाने का काम करता है।

तिहाड़ जेल में खतरनाक गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या, जानें इसकी क्राइम कुंडली क्या है?

नयी दिल्ली। दिल्ली कोर्ट शूटआउट के आरोपी गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने तिहाड़ में मार गिराया। दिल्ली की रोहिणी अदालत में गोलीबारी की घटना के आरोपी टिल्लू ताजपुरिया की तिहाड़ जेल में आज सुबह उसके प्रतिद्वंद्वियों ने हमला कर हत्या कर दी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कारागार अधिकारियों के मुताबिक घटना सुबह करीब 6:30 बजे घटी। विरोधियों के हमले के बाद ताजपुरिया को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का विस्तृत विवरण अभी नहीं मिला है।

जेल अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली की एक अदालत में गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या की साजिश रचने वाले टिल्लू ताजपुरिया को प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने मंगलवार को तिहाड़ की मंडोली जेल में मार डाला। जेल अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपी जेल में बंद गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने मंगलवार को तिहाड़ की मंडोली जेल में मार डाला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र गोगी गिरोह का कथित शार्प शूटर योगेश उर्फ टुंडा और उसके साथी दीपक तीतर ने

ताजपुरिया पर लोहे की रॉड से हमला किया।

अधिकारियों ने कहा कि ताजपुरिया को राष्ट्रीय राजधानी के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि गैंगस्टर को बेहोशी की हालत में लाया गया था और सुबह करीब 6:30 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की पुलिस जांच चल रही है। सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया दिल्ली में एक कुख्यात आपराधिक गिरोह का मुखिया था और मोस्ट वांटेड गैंगस्टर जितेंद्र गोगी के नेतृत्व वाले एक अन्य समान रूप से कुख्यात गिरोह के साथ कट्टर प्रतिद्वंद्वी था। 2015 में 'टिल्लू' को सोनीपत पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया था। 24 सितंबर, 2021 को ताजपुरिया के दो सहयोगियों ने वकीलों की वेश में आए गोगी की दिल्ली की रोहिणी अदालत के एक अदालत कक्ष के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी थी। गोगी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो हत्यारों को अदालत कक्ष के अंदर पुलिस ने मार गिराया। ताजपुरिया, जो पहले से ही एक अन्य अपराध के लिए जेल में था, से मुख्य साजिशकर्ता के रूप में पूछताछ की गई थी। गोगी और ताजपुरिया गैंग के बीच करीब एक दशक से कड़वाहट चल रही है। इन 10 सालों के दौरान दो गुटों के बीच हुई झड़पों में अब तक दो दर्जन से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

आसाराम को फर्जी दस्तावेज मामले में जमानत मिली, लेकिन जेल में ही रहना पड़ेगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में अपनी जमानत के समर्थन में फर्जी सूचना का अधिकार (आरटीआई) जवाब पेश करने से जुड़े मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय ने सोमवार को स्वयंभू संत आसाराम को जमानत दे दी, लेकिन उसे जेल में ही रहना पड़ेगा। नाबालिग का यौन उत्पीड़न का दोषी आसाराम जेल से बाहर नहीं आ सकेगा। आसाराम को जमानत देते हुए उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ के न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर ने कहा कि शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत फर्जी आरटीआई जवाब गढ़ने में याचिकाकर्ता की कोई सीधी भूमिका नहीं थी, और उसके द्वारा किए गए कथित अपराध मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा विचार किये जाने योग्य है।

कांग्रेस के गारंटी पर अमित शाह का तंज, बोले- जिस पार्टी की खुद की क्रेडिबिलिटी ना हो उसपर विश्वास कौन करेगा

नई दिल्ली। कांग्रेस कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों के बीच कई तरह की गारंटी की बात कर रही है। कांग्रेस के इसी गारंटी को लेकर भाजपा हमलावर है। आज एक बार फिर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि ये कांग्रेस आज गारंटी बांट रही है। अब जिस पार्टी की खुद की क्रेडिबिलिटी ना हो उसकी गारंटी पर कौन विश्वास करेगा। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि कांग्रेस का मतलब है सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार की गारंटी। कांग्रेस का मतलब है सबसे ज्यादा तुष्टिकरण की गारंटी। कांग्रेस का मतलब है सबसे ज्यादा परिवारवाद की गारंटी। कांग्रेस का मतलब है सबसे ज्यादा दंगा करने की गारंटी।

कर्नाटक के हनूर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव कर्नाटक के विकास बनाम रिवर्स गियर सरकार के बीच है। शाह ने कहा कि भाजपा आई तो कर्नाटक विकास के रास्ते पर चल पड़ेगा और कांग्रेस आई तो विकास का रिवर्स गियर लग जाएगा। यह चुनाव कर्नाटक को मोदी जी के

नेतृत्व में भारत का नंबर-1 राज्य बनाने का चुनाव है। भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 4इ मुस्लिम आरक्षण समाप्त कर दिया और इसे समाप्त कर एए, एऊ, वोक्कालिगा और लिंगायतों का आरक्षण बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस कहती है कि वो सत्ता में आएगी तो मुस्लिम रिजर्वेशन वापस लाएगी। मुस्लिम रिजर्वेशन वापस आते ही एए, एऊ, वोक्कालिगा और लिंगायतों का जो आरक्षण बढ़ा है वो वापस चला जाएगा।

शाह ने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस मुस्लिम रिजर्वेशन वापस लाकर वोक्कालिगा और लिंगायतों का आरक्षण कम करने की बात कर रही है, हम ऐसा होने नहीं देंगे। अमित शाह ने एक सभा में कहा कि मैं सिद्धारमैया से पूछना चाहता हूं कि हर बार आपको सीट क्यों बदलनी पड़ती है? वे जहां जाते हैं वहां विकास का कोई काम नहीं करते और जनता उन्हें भगा देती है। आपको तय करना है कि आपको रिटायर होने वाला नेता चाहिए या भविष्य का नेता। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी यहां आई, सिद्धारमैया जीते तो इइघ से बैन हटा लेंगे। कांग्रेस ने कर्नाटक को केंद्र कि ऊश बनाया। सिद्धारमैया ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया। सिद्धारमैया कहते हैं लिंगायत समाज भ्रष्टाचार लेकर आया है।

ममता बनर्जी ने विपक्षी नेताओं से एकजुट होने की अपील की, कहा- 2024 का अगला चुनाव परिवर्तन का होगा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर से विपक्षी एकता की वकालत की हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव बदलाव लाने वाले के वास्ते होंगे। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। ममता ने कहा कि भाजपा हर चुनाव से पहले वादा करती है, चुनावों के बाद उन्हें भूल जाती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में इस सरकार (बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार) ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि मैं सभी विपक्षी दलों से एक साथ आने का अनुरोध करती हूं, भाजपा 2024 के चुनावों में सत्ता गंवा देगी। इसके साथ ही ममता ने कहा कि 'मन की बात' के नाम पर भाजपा लोगों को 'झूठ की बात' से बेवकूफ बनाती है।

टीएमसी नेता ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कुछ नहीं किया, इसने केवल इतिहास को बदल दिया, एनआरसी के नाम पर जुमला राजनीति और अन्याय किया। आपको बता दें कि कुछ नेताओं की ओर से विपक्षी एकता की कवायद जारी है। पिछले

दिनों ही ममता ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुलाकात की थी। नीतीश लगातार विपक्षी एकती की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संकेत दिया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद विपक्षी नेताओं की बैठक पटना में हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम सभी नेताओं के साथ मिलकर बातचीत कर रहे हैं। अभी कुछ और लोगों से बातचीत होनी है।

ममता ने नीतीश के साथ कोलकाता में बैठक के बाद कहा था, ''मैंने नीतीश कुमार से सिर्फ एक अनुरोध किया है। जयप्रकाश जी का आंदोलन बिहार से शुरू हुआ। अगर बिहार में सर्वदलीय बैठक होती है तो हम आगे की रणनीति तय कर सकते हैं।'' नीतीश ने अपने टीएमसी समकक्ष के इस आग्रह को स्वीकार करते हुए कहा, ''उन्होंने (ममता बनर्जी) तो बोला ही था पटना में बैठक के लिए। हम भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ देश में अधिक से अधिक दलों को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। मैंने हाल ही में कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की। अब मैं अन्य गैर भाजपा दलों से बात करूंगा। मेरा उद्देश्य विपक्षी दलों को लोकसभा चुनाव से पहले एकजुट करना है।''

झुग्गी में आग लगने से मुजफ्फरपुर में चार बच्चियों की झुलस कर मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के रामदयालु रेलवे स्टेशन के निकट एक झुग्गी में बीती रात आग लगने से एक परिवार की तीन से 12 साल उम्र की चार बच्चियों की झुलस कर मौत हो गई जबकि सात अन्य लोग जख्मी हो गए। मुसहरी के अंचल अधिकारी सुधांशु शेखर ने संवाददाताओं को मंगलवार को बताया, घटना रामदयालु रेलवे स्टेशन के निकट स्थित झुग्गी में हुई। रात दस बज कर करीब 30 मिनट पर लगी आग तेजी से झुग्गी में फैल गई। दमकल अधिकारियों को तुरंत सूचना दी गई और उन्होंने दमकल वाहनों की मदद से कुछ देर बाद आग पर काबू पा लिया।उन्होंने कहा, हादसे में नरेश राम की चार बेटियों की मौत हो गई। सात अन्य लोग झुलस गए हैं और उन्हें जिले के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

शराब घोटाले की चार्जशीट में राघव चड्ढा का भी नाम, सिसोदिया के पीए ने बयान में लिया नाम

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली शराब नीति मामले में अपनी दूसरी पूरक चार्जशीट में आप सांसद राघव चड्ढा के नाम का उल्लेख किया। मनीष सिसोदिया के पूर्व सचिव सी अरविंद ने जांच एजेंसी को बताया था कि राघव चड्ढा के साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री के आवास पर एक बैठक हुई थी। सी अरविंद के बयान के अनुसार बैठक में पंजाब के आबकारी आयुक्त वरुण रूजम, मामले के आरोपी विजय नायर और पंजाब आबकारी निदेशालय के अन्य अधिकारी भी शामिल थे।

यह केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मनीष सिसोदिया को दिल्ली में सीबीआई अदालत के समक्ष दायर पूरक आरोप पत्र में पहली बार आरोपी के रूप में नामित किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। सिसोदिया को फरवरी में जांच एजेंसी ने मामले के सिलसिले में आठ घंटे तक पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार किया था। यह आरोप लगाया गया है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की

आबकारी नीति ने कुछ डीलरों का पक्ष लिया, जिन्होंने इसके लिए कथित तौर पर रिश्वत दी थी, इस आरोप का आप ने जोरदार खंडन किया था। बाद में नीति को रद्द कर दिया गया।

ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और उनके पूर्व डिप्टी मनीष सिसोदिया पर बड़े आरोप लगाए हैं। पूरक चार्जशीट में, ईडी ने कहा कि नई शराब नीति केजरीवाल के दिमाग की उपज थी और उन्होंने सिसोदिया के साथ, विजय नायर को प्रतिरक्षा प्रदान की, ताकि वे नीति बनाते और लागू करते समय अवैध गतिविधियों में शामिल हो सकें। विजय नायर इस मामले में गिरफ्तार होने वाले पहले आरोपी थे।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने बीआरएस नेता के कविता के खिलाफ भी आरोप लगाए और कहा कि वह 2022 में हैदराबाद में अपने आवास पर एक शराब व्यापारी समीर महेंद्रू से मिलीं, जो मामले के आरोपियों में से एक था। इसने कहा कि बैठक में अन्य आरोपियों ने भाग लिया था। मामला, जिसमें व्यवसायी सरथ चंद्र रेड्डी और अभिषेक बोइनपल्ली और कविता के कथित सहयोगी अरुण पिल्लई शामिल हैं।

इन सभी को मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने कहा कि कविता के पति अनिल भी बैठक में मौजूद थे। चार्जशीट के मुताबिक, समीर महेंद्रू ने अपने बयान में कहा कि के कविता ने उनसे कहा कि अरुण पिल्लई परिवार के सदस्य की तरह हैं। ईडी ने यह भी कहा कि एक अन्य आरोपी अरुण पिल्लई और अमनदीप ढल ने बड़े पैमाने पर डिजिटल सबूतों को नष्ट किया। इसने कहा कि आरोपियों ने बड़ी संख्या में फोन नष्ट कर दिए हैं और एजेंसी की तलाशी के दौरान उन्हें बरामद नहीं किया जा सका।

प्रयागराजः अतीक अशरफ का नाम लिए बिना बोले योगी, 'जो जस करइ सो तस फल चाखा'

आज युवाओं के हाथ में तमंचा नही टैबलेट है

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद आज पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंचे।

सीएम योगी ने लूकरगंज में बीजेपी के मेयर प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, अन्याय से सताए लोग जिस प्रयागराज में आकर न्याय की गुहार लगाते हैं. कुछ लोगों ने इसी प्रयागराज को अपराध का अड्डा बना दिया था।

उन्होंने किसी का नाम लिए कहा कि, 'जो जस करइ सो तस फल चाखा.' वह बोले 'एक न एक दिन प्रकृति सबके साथ न्याय करती है। ये न अत्याचार करती है न ही उसे स्वीकार करती है। प्रकृति सबका हिसाब बराबर करती है। प्रयागराज कभी उदास नहीं होने देता। ये धरती कभी सात्विक प्रवृत्ति को निराश नहीं करती है।'

उन्होंने कहा, आज पर्व और त्योहारों पर लोगों के घरों में खुशहाली आती है. सीएम योगी ने कहा कि, 'आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं दंगा नहीं, सब ओर चंगा ही चंगा है'। यह सब इसलिए है,

क्योंकि सरकार की कोशिश जीरो टॉलरेंस की है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में जो पहले रंगदारी मांगते थे, आज वो गले में तख्तियां लगाने को मजबूर हुए हैं. आज रंगदारी नहीं, बल्कि व्यापारियों को यूपी में 10 लाख रुपए का सुरक्षा बीमा मिलता है। आज युवाओं के हाथ में तमंचे नहीं हैं, क्योंकि उनको पता है कि इसकी कीमत क्या होती है और इसके परिणाम क्या होते हैं. आज उनके हाथ में तमंचे नहीं टैबलेट हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ राज्य में निकाय चुनाव को लेकर लगातार भाजपा के पक्ष में प्रचार कर रहे है। मुख्यमंत्री योगी अतिक अहमद हत्याकांड के बाद पहली बार प्रयागराज पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने तुलसीदास की लिखी चौपाई का जिक्र किया और इशारों-इशारों में अतीक अहमद को लेकर तंज कसा। योगी ने कहा कि करम प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करइ सो तस फल चाखा। जो जैसा कर्म करेगा उसको उन्हीं कर्मों के अनुसार फल भी भोगना पड़ेगा। यही संसार का विधान है। उन्होंने कहा कि जहां अन्याय और अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति न्याय पाने की अभिलाषा से आता है, कुछ लोगों ने उस प्रयागराज की धरती को अन्याय और अत्याचार का शिकार बना दिया था। लेकिन यह प्रकृति ना किसी पर अत्याचार करती है और ना किसी के अत्याचार को स्वीकार करती है। सबका हिसाब बराबर करके रख देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने तो सबका साथ सबका विकास के भाव के साथ काम किया है। हमने कब जाति, धर्म, मजहब के आधार पर किसी के साथ भेदभाव किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने कभी तुष्टिकरण को प्रोत्साहित नहीं किया, जो इसे प्रोत्साहित करते थे वही भेदभाव, बंटवारा करते थे। योगी ने कहा कि आज नगरों में किसी प्रकार का शोहदों का आतंक नहीं है। आज हमारे नगर सेफ सिटी हो रहे हैं। आज युवाओं के हाथों में तमंचा नहीं है क्योंकि उन्हें तमंचे का दुष्परिणाम पता है। आज उनके हाथ में टैबलेट है और यह टैबलेट उसके टैलेंट को टेक्नोलॉजी से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि लड़कियां सुरक्षित स्कूल जा सकती हैं, व्यापारी व्यापार कर सकता है।

योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, परिवारवादी और जातिवादी मानसिकता के दलों से आगे बढ़कर एक राष्ट्रवाद की सोच के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश था जहां पर्व और त्योहार भय और आतंक के साये में मनाए जाते थे।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रत्याशियों ने चलाया तूफानी अंदाज में जनसंपर्क अभियान

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रत्याशियों ने अपनी पूर्ण रूप से जोर आजमाइश की लेकिन फूलपुर के ऐतिहासिक टाउन एरिया में मतदाताओं द्वारा निवर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है मतदाताओं की माने तो उनका कहना है कई वर्षों से लगातार सपा भाजपा के ही प्रत्याशी चुनाव जीत रहे हैं मतदाताओं का मानना है कि इस बार पार्टी कोई नए चेहरे को मैदान में उतारती लेकिन ऐसा नहीं हुआ वही पुराने प्रत्याशी को पार्टी ने अपना उम्मीदवार घोषित किया क्योंकि जो भी प्रत्याशी लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं उन्होंने फूलपुर के मतदाताओं एवं फूलपुर के आवाम बारे में नहीं सोचा मूल रूप से टाउन एरिया फूलपुर विकास के नाम से कोसों दूर रहा फूलपुर टाउन एरिया में दूषित पेयजल की समस्या बहुत अधिक है लोगों को शुद्ध पेयजल पीने को नहीं मिल पा रहा है सड़कों की खस्ता हाल शिक्षण संस्थान का अभाव साफ सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है इस बार के मतदाता कुछ अलग करने का मन बना रहे हैं इस

बार चुनाव मैदान में बसपा के प्रत्याशी श्री इलियास अहमद को मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है क्योंकि वह नए उम्मीदवार हैं और समाजसेवी मुस्ताक अहमद (टीटी) साहब के नाम से मशहूर रहे हैं इलियास अहमद उन्हीं के पुत्र हैं और एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी जयप्रकाश चुनाव मैदान में हैं जयप्रकाश के प्रति मतदाताओं में लगाव दिख रहा है है अगर मतदाताओं की नाराजगी सपा एवं भाजपा कैंडिडेट के प्रति रहा तो परिणाम चौकानेवाले आ सकते हैं बसपा प्रत्याशी इलियास अहमद ने कहा हमें फूलपुर टाउन एरिया के मतदाताओं का पूर्ण समर्थन मिल रहा है और हम मतदाताओं के उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और टाउन एरिया फूलपुर में विकास की गंगा बहाएंगे सबसे पहले हमारी प्राथमिकता है कि टाउन एरिया फूलपुर मैं आरो का प्लांट लगाया जाएगा और 15 वार्डों में आरो पानी की सप्लाई की व्यवस्था की जाएगी ताकि फूलपुर की जनता को स्वच्छ पेयजल पीने को मिल सके देखना यह है कि पुराने प्रत्याशियों के प्रति मतदाताओं की नाराजगी से चुनावी समीकरण बदल गया है देखना यह है कि आने वाले 4 मई के चुनाव में किस प्रत्याशी को मतदाताओं का आशीर्वाद मिलता है।

नाराज़ चल रहे नंदी भी मंच पर मौजूद

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।सीएम योगी के साथ मंच पर कैबिनेट मंत्री नंदगोपालगुप्ता नंदी भी रहे हैं। भाजपा ने इस बार प्रयागराज से दो बार मेयर रहीं नंदी की पत्नी अभिलाषागुप्ता का टिकट काट दिया। भाजपा ने प्रयागराज से मेयर पद के लिए गणेशकेसरवानी को टिकट दिया है। सीएम ने अपने

भाषण के दौरान अभिलाषा गुप्ता के कामकाज की कई बार तारीफ की। हालांकि, सीएम ने यह भी कहा, 'जिस कार्यकर्ता ने अपना जीवन संगठन के लिए समर्पित किया हो, अगर उसके लिए सभी लोग मिलकर कार्य करें तो ये नए कार्यकर्ताओं के सृजन की शुरुआत होती है। भाजपा इन्हीं नए कार्यकर्ताओं जोड़ने की पार्टी है, यही भाजपा का लोकतंत्र है।'

तीन प्रोफेसरों पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कार्यवाही न करने पर कुलपति का फूंका पुतला

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। मंगलवार को अनशन स्थल पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा श्रीवास्तव समेत तीन प्रोफेसरों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी होने के बावजूद अभी तक गिरफ्तारी ना होने पर छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंका। पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द गिरफ्तारी की गई मांग

की गई यदि 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी नहीं होगी तो छात्र सड़कों पर प्रदर्शन करेंगे।

करेली की ज़ाहिदा बेगम से अतीक़ के गुर्गों ने कहा-5 लाख दो नहीं तो ज़मीन छोड़ दो

सीएम-डीजीपी से मदद की लगाई गुहार

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। भले ही माफिया अतीकऊअहमद और अशरफ आज अतीत हो गए हों पर उनके नाम पर गुंडई करने वालों का आतंक आज भी कम नहीं हुआ है। अतीक अहमद के गुर्गों ने फिर एक बार करेली में बाउंड्री गिरा कर जमीन कब्जा करने का दुस्साहस किया है। करेली की रहने वाली जाहिदा बेगम ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगीऊआदित्यनाथ को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई है। पत्र में लिखा है कि उन्होंने 2017 में प्रयागराज के थाना करेली क्षेत्र के एनुद्दीनपूर में एक जमीन खरीदी थी। उसकी बाउंड्री भी कराई है। 2017 से इस जमीन पर उनका कब्जा है। अचानक से अतीक अहमद के नामी

गुर्गे कम्मू जाबिर उनके भाई राहिल मोनू, अजमल मरिया डीह, इरफान शिकारी, बख्शी आदि ने बाउंड्री को गिरा दिया और जान से मारने की धमकी दिया। कहा 5 लाख दो अन्यथा जमीन छोड़ दो। जिसको लेकर महीना भर पहले प्रयागराज के थाना करेली में तहरीर भी दी, मगर अतीक अहमद के गुर्गों का आज भी इतना खौफ है कि उनके खिलाफ मुकदमा नहीं लिखा गया। ना ही उनकी गिरफ्तारी हुई।

रहस्यमय परिस्थितियों में विवाहिता लापता

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। थाना अंतर्गत खंसार गांव की संगीता देवी उम्र 28 वर्ष रंग गोरा साड़ी ऑरेंज कलर की पहने हुए दिनांक 28 अप्रैल की शाम को घर से बिना बताए कहीं चली गई। तब से वापस नहीं आई। घर परिवार के लोग हर संभावित ठिकाने पर तलाश रहे हैं। परंतु अभी तक संगीता का पता नहीं चलने से लोग किसी अनहोनी से भयभीत हैं। सूचना थाना फूलपुर में लिखित दे दी गई है।

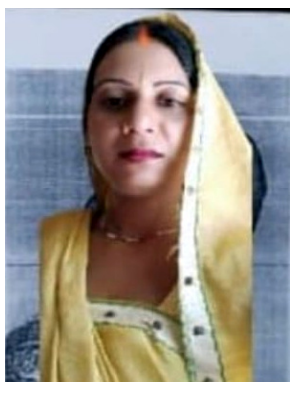

फूलपुर ने कांग्रेस का प्रथम प्रधानमंत्री दिया :अनिल शास्त्री

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। नगर निकाय चुनाव के अंतिम दौर में जहां जनसभा नुक्कड़ सभा रैलियों का आयोजन बढ़ गया है। वहीं पर कांग्रेस प्रत्याशी सायरा बानो ने पूर्व मंत्री अनिल शास्त्री की जनसभा मुल्लाना हवेली में कराकर अपने पक्ष में लोगों को आकर्षित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के अनिल शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत आजाद होने के बाद कांग्रेश की हुकूमत बनी और प्रथम प्रधानमंत्री फूलपुर लोकसभा के पंडित जवाहरलाल नेहरू को बनाया। कांग्रेश की हुकूमत बनने में फूलपुर के माननीय मतदाताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। तब जाकर फूलपुर विश्व पटल पर उभरा। सायरा बानो कांग्रेसी उम्मीदवार बनाई गई है नेहरू परिवार की इस धरती पर आप लोग पुनः कांग्रेश को मजबूती प्रदान करें। मौके पर बलागत हुसैन उर्फ बल्लन, शंभू भाई अलीम अंसारी सुरेश यादव शाहनवाज आलम मोहम्मद असीर जगदीश तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

वोट के लिए शराब-रुपये बांट रहे प्रत्याशी पति समेत तीन गिरफ्तार पार्टी कार्यालय में हो रहा था आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराजः नगर निकाय चुनाव में वोटरों को प्रलोभन देने के लिए शराब व रुपये बांट रहे प्रत्याशी पति व उनके सहयोगियों को थाना शंकरगढ़ पुलिस और एफएसटी की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 44 शीशी अवैध देशी शराब और 18 हजार 500 रुपए नकद बरामद हुए हैं।

दरअसल एफएसटी टीम प्रभारी और वाणिज्य कर अधिकारी, धर्मेन्द्र सिंह की टीम को पता लगा की कस्बा शंकरगढ़ में नगर पंचायत

चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है। टीम ने पुलिस की सहायता से पार्टी कार्यालय में शराब व रुपये वितरण करते समय प्रत्याशी पति सत्यरंजन समद्दर निवासी वार्ड नं0 3 सिन्धी टोला कस्बा व थाना शंकरगढ़, समर्थक सूर्यकान्त द्विवेदी वार्ड नं0 9 राजा कोठी कस्बा व थाना शंकरगढ़ और एक ने समर्थक अजय यादव निवासी ग्राम अमिलिहाई कपसो अतरी थाना शंकरगढ़ को रंगे हाथ पकड़ा। तीनों को गिरफ्तार कर पैसा बरामद किया गया। उनके कब्जे से 44 शीशी अवैध देशी शराब व 18500 रु नकद बरामद किये गये। जिसके सम्बन्ध में एफएसटी टीम की तहरीर पर प्रत्याशी पति व अन्य 02 सहयोगियों के विरुद्ध थाना शंकरगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया।

भीषण गर्मी में पशु पक्षियों की करें मदद-तारा देवी

आधुनिक समाचार सेवा

दुद्धी ब्लॉक के बुटबेढ़वा(विंढमगंज) के पंचायत भवन पर युवा भारत के तत्वावधान में ग्राम प्रधान तारा देवी की अध्यक्षता में पक्षियों के लिए दाना पानी का इंतजाम करने के अभियान की सुरुआत की गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली से चलकर आये प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इण्डिया में काम कर रहे इसरा संस्थान के महाप्रबंधक अभिषेक अग्रवाल एंव रंजन पाण्डेय ने ग्राम प्रधान तारा देवी के साथ कसोरे में पानी भर अभियान की सुरुआत की।उन्होंने कहा कि युवा भारत के संयोजक सौरभ कान्त पति तिवारी एंव उनकी टीम बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे है।अभिषेक जी ने कहा कि आज के परिवेश में इंसान अपनी भागम भाग की ज़िंदगी और रोजमर्रा की जरूरतों में ही उलझा है लेकिन ऐसे में यदि कोई बेजुबान पक्षियों के भूख प्यास मिटाने के लिए प्रयासरत है तो यह निश्चय ही मानवता के लिए एक मिशाल है।वहीं यूथ आइकॉन सौरभ कांत पति तिवारी एंव उन्नत किसान गौरीशंकर कुशवाहा ने कहा कि यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी दिनेश प्रसाद अग्रहरि को मिला प्रशस्ति पत्र

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी दिनेश प्रसाद अग्रहरि को लगातार तीसरी बार उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन उत्तर प्रदेश लखनऊ आशुतोष पांडेय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिससे सोनभद्र जिले के अधिवक्ताओं ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 19 सितंबर 2020 को वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश प्रसाद अग्रहरि को अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी के पद पर नियुक्त किया गया था। श्री अग्रहरि अपने कर्तव्य एवं दायित्व का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करने लगे। जिसकी वजह से माह दिसंबर 2021 में उत्कृष्ट कार्य करने की वजह से पहली बार 8 जनवरी 2022 को अभियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 25 मार्च 2022 से 25 सितंबर 2022 के बीच पाक्सो एक्ट में सघन पैरवी कर 19 मामलो में अभियुक्तों को सजा दिलाकर प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त करने पर एक नवंबर 2022 को दूसरी बार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था। वहीं एक जनवरी 2023 से 28 फरवरी 2023 के बीच 404 गवाहों का बयान दर्ज कराकर उत्कृष्ट कार्य करने पर 9 मार्च 2023 को अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन उत्तर प्रदेश लखनऊ आशुतोष पांडेय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। लगातार तीसरी बार सम्मानित किए जाने पर अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक, सत्यप्रकाश त्रिपाठी, नीरज कुमार सिंह, धनंजय शुक्ला, शशांक शेखर मिश्र, नीरज मिश्र,राजीव कुमार सिंह गौतम, राजीव मिश्र, संतोष पांडेय, पवन कुमार सिंह आदि ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी है।

डकैती की योजना बनाने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह से विद्युत तार चोरी का बड़ा खुलासा

आधुनिक समाचार सेवा

सतना। अमरपाटन थाना क्षेत्र डकैती की योजना बनाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह से विद्युत तार चोरी का बड़ा खुलासा पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता के निर्देशन एवं एउध(इ) मैहर लोकेश डाबर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमरपाटन उपनिरी0 संदीप भारतीय के नेतृत्व मे अपराध नियंत्रण एवं अपराधियो पर नकेल कसने के तारतम्य मे थाना प्रभारी अमरपाटन द्वारा गठित टीम द्वारा डकैती की योजना बना रहे गिरफ्तार सुदा आरोपीगणो ने पूछताछ मे स्वीकार किया जिले की कई जगह की विद्युत तार चोरी की घटना को अंजाम देना। आरोपीगण गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किये गये।

घटना का संक्षिप्त विवरणः- दिनांक 01.05.23 को मुखबिर द्वारा सूचना मिलने पर लंका लंका मैदान से डकैती की योजना बनाते हुये पकड़े गये 04 नफर आरोपियो मे से सरगना का लीडर श्यामजी कुशवाहा ने अपने मेमो कथन मे दिनांक 09.04.2023 को अपने साथी संजय कुशवाहा, धीरेन्द्र नागर, सुनील बंशल, शैलेन्द्र कुशवाहा उर्फ शालू, चिन्टू उर्फ श्रवण एवं राधेश्याम उर्फ लाला के साथ मिलकर थाना अमरपाटन अन्तर्गत ग्राम खरमसेड़ा, बरतोना मे ्थ्ऊ द्वारा खींची जा रही 33 ख्ट तार के करीबन 01 किलोमीटर के दूरी के विद्युत पोलो के सभी 03 फेस तार (विद्युत वायर) अपने साथियो के साथ मिलकर चोरी कर अपने साथी संजय कुशवाहा की बोलेरो पिकअप क्रमांक श्इ 17 उ 4225 मे लोड कर अपने साथी सुनील बंशल (कबाड़ी) के जरिये बेच देना बताया था। गिरफ्तार सुदा आरोपीगण श्यामजी कुशवाहा, सुनील बंसल एवं धीरेन्द्र नागर का पुलिस रिमांड प्राप्त कर आरोपीगणो के निशादेही पर उनके बताये स्थान से चोरी किया गया ऐल्यूमूनियम विद्युत तार करीबन 01 क्विंटल कीमती 45000/ रुपये, विद्युत तार को काटने मे प्रयुक्त कटर, प्लास्टिक के दस्ताने, नायलोन की रस्सी ,एक नग ऐल्यूमूनियम की फोल्डिंग सीढी, एक झूला वाला रस्सा, 2800/ रुपये नगदी तथा तार को ढोने मे प्रयुक्त वाहन क्रमांक श्इ 17 उ 4225 कीमती करीबन 08 लाख रुपये की जप्त की गई। प्रकरण के शेष 03 नफर आरोपी फरार है। आरोपियो द्वारा पूछताछ पर सतना जिला के थाना रामनगर, थाना मझगवां एवं रीवा के कई स्थानो पर विद्युत तार चोरी की घटना को अंजाम देना बताया है।

अपराध क्रमांक व धारा 180/23 धारा 379 ता0हि0 136 विद्युत अधिनियम गिरफ्तार सुदा आरोपीगण (1) श्यामजी कुशवाहा पिता रामविश्वास कुशवाहा उम्र 30 वर्ष निवासी सिलपरा थाना बिछिया रीवा (2) संजय कुशवाहा पिता रमांकान्त कुशवाहा उम्र 22 वर्ष निवासी करहिया गल्ला मण्डी थाना चोरहटा रीवा (3) सुनील बंसल पिता मेवा लाल बंसल उम्र 31 वर्ष निवासी गुढ चौराहा थाना सिटी कोतवाली रीवा (4) धीरेन्द्र नागर पिता मोहन लाल नागर उम्र 32 वर्ष निवासी शिवरामपुर थाना कर्वी उ.प्र. जप्ती मशरुका 01. ऐल्यूमूनियम विद्युत तार करीबन 01 क्विंटल कीमती 45000/ रुपये 02. विद्युत तार को काटने मे प्रयुक्त कटर 03. प्लास्टिक के दस्ताने 04. नायलोन की रस्सी, 05. एक नग ऐल्यूमूनियम की फोल्डिंग सीढी, 06. एक झूला वाला रस्सा 07. चोरी की तार को ढोने मे प्रयुक्त वाहन क्रमांक श्इ 17 उ 4225 कीमती करीबन 08 08. 2800/ रुपये नगदी कुल कीमती मशरुका लगभग 8,50,000/रुपये सराहनीय भूमिका निरी0 आदित्य सेन थाना प्रभारी मझगवां ,उपनिरी0 संदीप भारतीय थाना प्रभारी अमरपाटन, उपनिरी0 आकाश बागड़े, उपनिरी0 अजीत सिंह, सउनि0 दीपेश पटेल, सउनि0 देवेन्द्र द्विवेदी, प्र0आर0 810 रामकरण प्रजापति, आर0 712 आशुतोष यादव, आर0 चालक 468 संतोष पटेल, राकेश कश्यप, अमित यादव, धर्मेन्द्र पाठक, विमलेश, ईष्टदेव दीक्षित, विकाश शिवहरे।

थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा परीक्षा मे धांधली करने वाले दो अभियुक्तों को सी.आई.एस.एफ की मदद से गिरफ्तार किया गया

आधुनिक समाचार सेवा

बिसरख।थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा सी.आई.एस.एफ की मदद से एसएसजी/सीआईएसएफ सेन्टर सुत्याना से परीक्षा मे धांधली करने वाले दो अभियुक्तों 1.विष्णु चाहर पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम लाढम, पोस्ट मनखेडा, थाना मलपुरा, जनपद आगरा उम्र 20 वर्ष 2.सचिन पुत्र लखमीचन्द्र निवासी ग्राम नंगला नगा, थाना कागरोल, जनपद आगरा उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से 35 वर्षीय युवक की हुई मौत, मचा कोहराम

4 मासूम बच्चों के सिर से पिता का उठा साया

आधुनिक समाचार सेवा

विंढमगंज/सोनभद्र। विंढमगंज थाना क्षेत्र के ग्राम ड्योढ़ी जाताजुआ में बीते रात्रि का कार्यक्रम था जिसमें मृतक के रिश्तेदार द्वारा टेन्ट लगवाया गया था। जिसे खुलवाने के लिए 35वर्षीय नंद कुमार पुत्र बबली यादव आज सुबह 6:00 बजे गया था कि टेन्ट के ऊपर हाई वोल्टेज तार गुजरा था टेन्ट खोलते समय लोहे की पाइप हाई वोल्टेज तार को स्पर्श कर गई जिससे नंद कुमार करंट की चपेट में आ गया और पाइप में चिपक गया।अचेतावस्था में स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ केंद्र दुद्धी में लाकर भर्ती कराया जहां उपस्थित चिकित्सक डॉ वीके सिंह ने युवक को देखते हैं मृत घोषित कर दिया ।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया वहीं अस्पताल के मेमो से दुद्धी कोतवाली को सूचना दी गई, परिजनों ने बताया कि मृतक युवक के चार बच्चे हैं जिसमें दो बेटे और एक बेटी बहरे और गूंगे हैं वहीं मृतक बड़े ही सौम्य स्वभाव व मिलनसार युवक था जिसका किसी से कोई भी मनमुटाव नहीं था युवक के मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में करंट लगने से युवक झुलसा

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। हाउसिंग बोर्ड कालोनी में करेंट लगने से पौड़ी निवासी एक युवक झुलसा मिली जानकारी अनुसार रविन्दु पटेल हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी इनके घर पर कर्मचारी किसी काम से छत पर गया था तो अचानक करेंट के चपेट में आ जाने से काफी झुलस गया आननफानन में मैहर सिविल अस्पताल में इलाज जारी है, मामले की जानकारी ली गई तो पता चला कि छत के ऊपर से बिजली की तार गई थी जो छत की ऊँचाई एवं बिजली तार की ऊँचाई बहुत कम थीं जिसके कारण करेंट की चपेट में आ गया अब सवाल यह उठ रहा है कि अगर बिजली की तार पहले से थी तो मकान कैसे नीचे बन गया अगर बना तो इसका कौन जिम्मेदार मकान मालिक या विजली

विभाग या नगर पालिका परिषद जिसने मकान बनाने की मंजूरी दी होगी? जबकि विभागीय लोगो से बात की गई तो यह बताया गया कि हाउसिंग बोर्ड कालोनी द्वारा अपनी इंजीनियरो के मार्ग दर्शन में कोई भी निर्माण करती है, जिसमे कोई भी मकान बिजली के तारों के नीचे नही रहती क्योकि एमपी हाउसिंग बोर्ड कालोनी की डिजाइन व नक्शा में सड़क नाली पानी बिजली की व्यवस्था मकानों से हट कर रहता है जहाँ तार होती है वहा नीचे मकान नही बनाती तो फिर ये रविन्दु पटेल के मकान के ऊपर तार कैसे चली गई ये भी जांच का विषय है। अगर तार बिजली की छत के ऊपर से है तो इसके बाद भी किसी बड़ी घटना से इनकार नही किया जा सकता इस पर नगर पालिका मैहर व हाउसिंग बोर्ड कालोनी को संज्ञान में लेना चाहिए ताकि दूसरी बड़ी कोई घटना न हो सके।

थाना बिसरख पुलिस द्वारा ट्रैक्टर चोरी करने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

बिसरख। थाना बिसरख पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान लाल कुआँ पुल के नीचे से 02 चोर 1.जोगिन्दर व 2. सरवन को मय चोरी का ट्रैक्टर रजि नं0 यूपी 16

बीएन 6618 व ट्राली के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसके सम्बन्ध में थाना बिसरख पर मु0अ0सं0 334/2023 धारा 379/411 भादवि पंजीकृत है।

मैहर श्रीकान्त चतुर्वेदी कार्यालय में बड़े उत्साह से मनाया गया लाडली लक्ष्मी दिवस

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2007 में लाडली लक्ष्मी योजना की शुरुआत की गई थी त आज योजना के वर्षगांठ के अवसर पर समूचे प्रदेश में लाडली लक्ष्मी दिवस आयोजित किया गया इस कड़ी में आज मैहर में ङप्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी द्वारा लाडली कन्या पूजन सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में पार्टी के विभिन्न मंडलों एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सदस्यों की उपस्थिति में देवी स्वरूपा कन्याओं के चरण धोकर,तिलक लगाकर पूजन किया गया, तत्पश्चात सभी कन्याओं को चुनरी एवं माला के साथ मिष्ठान फल फूल एवं दक्षिणा भेंट करते हुए श्री चतुर्वेदी ने उनका आशीर्वाद ग्रहण किया तथा समाज एवं देश के समग्र विकास की प्रार्थना की मुख्य रूप से उपस्थित रहे महिला

मोर्चा मण्डल अध्यक्ष श्रीमती संगीता अग्रवाल ,सुनीता सोनी, मंडल अध्यक्ष सुबोध मिश्रा, राजा पाण्डेय, प्रकाश तिवारी,सावन जयसवाल,पंकज पाण्डेय, अजय नामदेव,मनीष पाठक,

लत न बन जाएं सेल्फी का शौक

मौजूदा दौर का बड़ा फोटोग्राफिक ट्रेंड बन चुका है सेल्फी। बॉलीवुड सितारों से लेकर टीनएजर्स तक फेसबुक-टिवटर में सेल्फी अपलोड करते नजर आते हैं। यह नया शौक कई बार सनक में बदलता नजर आता है। कुछ माह पहले सेल्फी की सनक से जुड़ी एक खबर ने सबका ध्यान खींचा था। परफेक्ट सेल्फी की लत के कारण एक ब्रिटिश टीन ने आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लिया था। हालांकि उसे बचा लिया गया, मगर उसके इस कदम ने कई सवाल खडे.कर दिए।

परिपक्वता की कमी

फोटो या पोस्ट पर आने वाले अच्छे-बुरे कमेंटस के लिए जिस तरह बड़े तैयार रहते हैं, उस तरह बच्चे तैयार नहीं हो पाते। अगर एक भी डिस्लाइक या खराब कमेंट मिल जाए तो यह उनके लिए पीड़ा का सबब बन जाता है। 11वीं के स्टूडेंट 17 वर्षीय सुशांत को कुछ ऐसी ही वजहों से अपना फेसबुक एकाउंट बंद करना पड़ा। इसका कारण था दोस्तों के भद्दे कमेंटस। वह कहते हैं, मैंने कई बार ड्रॉइंग्स, फोटोज, पोएट्री भी पोस्ट कीं। जब तक दोस्त तारीफ करते थे, अच्छा लगता था, लेकिन अचानक एक दिन भद्दे कमेंटस आने शुरू हो गए। मैं डिस्टर्ब हो गया। एक दिन मैंने मॉम को यह प्रॉब्लम बताई। इसके बाद उन्होंने मेरा एकाउंट ही बंद करवा दिया। मां ने मेरी समस्या तो हल कर दी, लेकिन मेरी जैसी समस्या बहुत से बच्चे झेलते हैं। मेडिकल की छात्रा अपूर्वा कहती हैं, बच्चे अपने कमेंटस में आक्रामक भी हो जाते हैं। कई बार सिर्फ मजा लेने या परेशान करने के लिए वे कमेंटस करने लगते हैं। तुम्हारी नाक मोटी है, तुम्हारी हेयरस्टाइल ठीक नहीं है, अपने दांत तो देखो.. जैसे कमेंटस के अलावा कई बार ऐसे कमेंटस भी आ जाते हैं, जो अपमानित कर सकते हैं। बडे.लोग इसे हैंडल कर लेते हैं, मगर कुछ बच्चे जो बहुत संवेदनशील होते हैं वे इसे हैंडल नहीं कर पाते।

टेक्नोलॉजी एडिक्शन

दिल्ली के एक स्कूल की अध्यापिका अर्चना बताती हैं, पिछले तीन-चार वर्षों में बच्चों में टेक्नोलॉजी एडिक्शन बहुत बढ़ा है। स्कूल में कई बार चेकिंग में बच्चों के बस्तों में फोन मिलते हैं। बच्चों को समझने के लिहाज से मैं स्वयं उनसे फेसबुक पर जुड़ी रहती हूं, लेकिन मुझे हैरत होती है, जब कई बच्चे मुझे रात के 11-12 बजे तक सोशल साइटस में बिजी दिखते हैं। कई बार मैं चैटिंग के जरिये उन्हें अगले दिन के असाइनमेंट के बारे में बताती हूं। जब उन्हें लगता है कि मैम उन्हें लगातार चेक कर रही हैं तो वे ऑफ लाइन हो जाते हैं। एक टीचर होने के नाते उन्हें अच्छा-बुरा बताने की मेरी एक सीमा है, इसके बाद तो पैरेंटस की ही जिम्मेदारी है कि वे देखें कि बच्चे देर रात तक क्या करते हैं।

खतरनाक है यह लत

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट गगनदीप कौर कहती हैं, फेसबुक पर कुछ अपलोड करते ही टिप्पणियों का इंतजार होने लगता है। तुरंत कमेंटस न मिलें तो बेचैनी होती है, बुरे कमेंटस मिल जाएं तो बच्चा हर्ट होता है। इंटरनेट एडिक्शन पर वर्कशॉप के दौरान हमें कई अनुभव हुए। फेसबुक के जरिये प्रपोज करने का ट्रेंड चल निकला है। किसी ने मैसेज किया- मुझसे दोस्ती करोगे? जवाब में संदेश मिला- जाकर अपना मुंह शीशे में देख लो..। यह जवाब निजी तौर पर आहत करता है। साथ ही सोशल रिजेक्शन भी महसूस होता है। कमेंट को सब पढ़ लेंगे, यह बात बच्चों को ज्यादा परेशान करती है। हर साइट के इस्तेमाल की कुछ गाइडलाइंस होती हैं, लेकिन इन्हें पढ़ा नहीं जाता। पैरेंटस भी बच्चों के हाथ में सारे डिवाइस थमा देते हैं, बस यह कहते हुए कि मिसयूज न हो। यह मिसयूज है क्या, यह बच्चों को नहीं बताया जाता। इससे परेशानियां बढ़ती जाती हैं।

संबंध भी होते हैं प्रभावित

यूके में हुआ एक अध्ययन बताता है कि फेसबुक में सेल्फीज की ओवर शेयरिंग रिश्तों के लिए अच्छी नहीं होती। दिनभर सेल्फी अपलोड करना वास्तविक रिश्तों की सेहत पर भारी पड़ता है। स्कॉटलैंड की एक यूनिवर्सिटी में पिछले वर्ष हुए इस अध्ययन में बताया गया कि जब कोई सोशल साइटस पर कुछ पोस्ट करता है तो इसे दोस्तों-जानकारों के साथ ही अन्य लोग भी देखते हैं। हर किसी पर फोटो या पोस्ट का अलग-अलग असर होता है। यह अध्ययन फोटोग्राफ्स अपलोड करने की आदत पर किया गया था। अध्ययन में सेल्फ फोटो, फ्रेंड, इवेंटस, फैमिली, नेचर फोटोज, कलीग्स, जानवरों.. की तस्वीरों पर आई टिप्पणियों का आकलन करके देखा गया कि इनका अलग-अलग लोगों पर क्या असर पड़ा। इनमें पार्टनर, रिश्तेदार, दोस्त, कलीग्स और अन्य

फेसबुक फ्रेंड थे। नतीजे में कहा गया कि सेल्फ फोटोज ज्यादा लगाने से वास्तविक रिश्तों की इंटीमेसी कम होती है। रिपोर्ट में कहा गया लोगों के लिए सोशल साइटस एक तरह से फन टाइम है, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि सोशल साइटस पर क्या शेयर कर रहे हैं और इसका असर क्या पड़ सकता है। इसलिए कोई पोस्ट करने से पहले कम से कम दो बार सोचें।सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर होने वाले कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि ऑनलाइन फोटोज की ओवरशेयरिंग से रिश्तों में दरार पड़ सकती है। आजकल तो सोशल साइटस राजनेताओं की आपसी खींचतान के अलावा पति-पत्नी के झगड़ों का भी कुरुक्षेत्र बनती जा रही हैं।

लत न बन जाए डिसॉर्डर

ब्रिटिश टीनएजर को बचा लिया गया, मगर गहरे अवसाद ने उससे जिंदगी के जो पल छीने, वे कभी वापस नहीं मिलेंगे। उसने बताया कि वह दिन भर में 200 सेल्फी लेता था और अच्छी न लगने के कारण डिस्कार्ड कर देता था। बाद में उसने कहा, मेरे लिए दोस्तों और अन्य लोगों का एप्रूवल मिशन बन गया। यह ड्रग या एल्कोहॉल जैसी समस्या थी मेरे लिए। मैं नहीं चाहता कि मेरी जैसी स्थिति से कोई और गुजरे।

मज़बूत व चमकदार नाखून पाने का है आसान तरीका, जानें यह टिप्स

यह बात तो सच है कि हमारे नेल्स हमारी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। लेकिन वहीं, हमारे पीले व बेजान दिखने वाले नाखून हमारा इम्प्रेशन डाउन ही नहीं, खराब सेहत भी दर्शाता है। कई बार नाखूनों की सही देखभाल व सही पोषण नहीं मिलने से वे सख्त होकर जल्दी-जल्दी टूटने लगते हैं। जबकि, सुंदर और हेल्दी नाखूनों के लिए पार्लर नहीं बल्कि पोषण और प्रोटीन से भरपूर आहार का सेवन भी ज़रूरी होता है। लेकिन कुछ घरेलु टिप्स के इस्तेमाल व अच्छे खान-पान से हम मज़बूत व अच्छे नाखून आसानी से पा सकते हैं।

तो चलिए जानते हैं, घरेलु उपचार के बारे मे जिसकी मदद से आप अपने नाखूनों को मज़बूत व चमकदार बना सकते हैं-

टूथपेस्टः टूथपेस्ट न केवल दांतों को चमकाने का काम करता है बल्कि नेल्स को भी साफ कर और शाइनी बनाता है। इसे इस्तेमाल करना बहुत सरल है। इसके लिए आपको बस एक पुराना टूथब्रश और ब्लीचयुक्त टूथपेस्ट चाहिए। फिर टूथब्रश में टूथपेस्ट लगाकर नाखूनों को अच्छे से ब्रश करें। 5 मिनट के बाद इसे सादे पानी से धोकर मॉइश्चराइज कर लें। यह आपके नेल्स को हमेशा शाइन देगा।

नींबूः नींबू विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो नेल्स की ग्रोथ में मदद करता है। साथ ही, नाखूनों को ब्लीच कर उनकी चमक भी बढ़ाता है। नींबू का उपयोग हम दो तरीके से कर सकते हैं। पहला तो हम

इसे नाखूनों पर रगड़ सकते हैं और दूसरा नींबू के पानी में इसे डिप कर सकते हैं। यह ध्यान रहे कि ये नेल्स को ड्राई कर देता है तो यह करने के बाद नाखूनों में ऑयल या मॉइश्चराइजर ज़रूर लगाएं। दूसरा उपाय करने के लिए आप एक कटोरी में गुनगुना पानी लें और इसमें आधा नींबू और चुटकीभर नमक मिलाएं। अपने हाथों को कम से कम 10 मिनट तक इसमें डिप करें। फिर इसके बाद,नींबू को नाखूनों में रगड़ें। यह हमारे नेल्स को अंदर तक साफ करके पीलापन दूर कर देता है। साथ ही, कोशिश करें कि यह उपाय सप्ताह में दो बार ज़रूर करें।

पेट्रोलियम जेलीः कई बार नाखून ड्राय होने के कारण टूट जाते हैं। इसके लिए पेट्रोलियम जेली एक सरल उपाय है। यह नाखूनों पर एक मोटी परत बनाकर रखता है, जिससे ये ड्राय नहीं होते हैं। आप पेट्रोलियम जेली में दो से तीन विटमिन ई की कैप्सूल मिलाकर रख सकते हैं। और इस मिक्सचर को रोज़.ना रात को सोने से पहले नाखूनों पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ ही महीनों में आपको अपने नाखूनों में फर्क दिखने लगेगा।

मेनिक्योरः नेल्स को सुंदर व आकर्षक बनाने के लिए अक्सर लोग पार्लर का सहारा भी लेते हैं। इसके लिए मेनिक्योर बहुत ज़रूरी है। यह नाखूनों से पीलापन और डेड स्किन को हटाता है। इसके अलावा यह नेल्स को मज़बूती भी देता है। आप चाहें तो घर पर भी आसानी से मेनीक्योर कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक कटोरी में गुनगुना पानी और दो बूंद शैंपू लेकर एक सलूशन तैयार करना है। फिर 10 मिनट तक नाखूनों को इसमें डिप कर के रखें। कुछ ही दिनों में आपको फर्क नज़र आएगा। और बेहतर रिज़ल्टस के लिए इसमें लेमन या कोई भी एसेंशियल ऑयल मिला सकते हैं।

ऑलिव ऑयलः ऑलिव ऑयल में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। आप ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश कर सकते हैं। यह करने से इन्हें पोषण तो मिलता ही है, साथ ही नाखून जल्दी व मज़बूत बढ़ते हैं।

बढ़ाएं उमंग पीला रंग

शादी और पार्टीज का दौर जोरों पर चल रहा है और इसी के साथ लौट आया है फैशन क्लच बैग्स का। पार्टीवेयर के साथ बड़े बैग्स तो अच्छे नहीं लगते। उसके साथ तो खूबसबरत क्लच बैग्स ही जंचते हैं। खूबसूरत पार्टीवेयर के साथ बीड से सजे क्लच बैग्स भी हैं आकर्षक एक्सेसरी। इसमें वैराइटी की कोई कमी नहीं। एक ओर जहां लेदर में चेरी रेड, ब्लू, ब्लैक, ब्राउन सहित डिफरेंट कलर में मौजूद हैं स्मार्ट क्लच बैग्स, जिन्हें आप कैजुअल वेयर के साथ लेकर कहीं भी जा सकती हैं तो वहीं दूसरी ओर गोल्डन एंब्रायडरी, बीड, ब्रोकेड, रंगीन मोती से सजे क्लच बैग्स भी जंचते हैं पार्टीवेयर के साथ। आपका पहनावा इंडियन है या वेस्टर्न इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर तरह से ये बढ़ाते हैं

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार रंगों का हमारे जीवन से गहरा नाता है। इस बात को वैज्ञानिक भी मानते हैं। पिछले दिनों अमेरिका में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि पीला रंग उमंग बढ़ाने में सहायक है। पीला रंग हमारे दिमाग को अधिक सक्रिय करता है। नतीजतन दिमाग में उठने वाली तरंगें खुशी का अहसास कराती हैं।वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बात के परीक्षण के लिए हमने करीब पांच सौ महिलाओं को अपने अध्ययन में शामिल किया और यह अध्ययन करीब तीन साल तक चला। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि यह देखने में आया कि जो महिलाएं महीने में कई बार पीले परिधान धारण करती थीं, उनका आत्मविश्वास ऐसा न करने वाली महिलाओं की तुलना में करीब चालीस फीसद अधिक था। खूबसूरत रंगों में झलकता है सौंदर्य। उत्साह, आत्मविश्वास, प्यार, अपनत्व और खुशी के प्रतीक ये रंग जीवन में घोलते हैं वही भाव। रंगों की ओर हम सहज ही आकर्षित हो जाते हैं, जैसे अगर प्लेट में सजे हों विटामिन, कैल्शियम इत्यादि पोषक तत्वों से भरपूर कलरफुल फूड तो हम खिंचे जाते हैं उसकी ओर और हेल्थ भी रहती है अच्छी। रंगों का ऐसा ही कुछ आकर्षण है एक्सेसरीज के संग। दरअसल रंगों को खुलकर एंजॉय करने का यही है परफेक्ट मौसम, क्योंकि सर्दी के मौसम में यूं भी अच्छे लगते हैं खिले-खिले रंग तो क्यों न कलरफुल हैंडबैग्स को बनाएं अपना स्टाइल स्टेटमेंट। इन दिनों गल्र्स के लिए ट्रेंडी एक्सेसरी हैं कलरफुल हैंडबैग्स, पर किसी एक रंग को कैरी करके टाइप्ड क्यों होना। रेड, यलो, इस संदर्भ में चीन के फेंगशुई विशेषज्ञ चांग वान का कहना है कि पीले रंग के परिधान हमारे दिमाग के

उस हिस्से को अधिक एलर्ट करते हैं, जो हमें सोचने-समझने में मदद करता है। यही नहीं पीला रंग खुशी का अहसास कराने में भी मददगार होता है। वान का कहना है कि पीले रंग के परिधान पहनने के साथ ही हमें सप्ताह में दो-तीन बार पीले रंग के खाद्य पदार्थ जैसे पीले फल, पीली सब्जियां और पीले अनाज का भी सेवन करना चाहिए। इससे हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं। ये हानिकारक तत्व शरीर के अंदर बने रहने पर नर्वस सिस्टम को प्रभावित करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार पीला रंग पसंद करने वाले अन्य लोगों के मुकाबले अधिक स्मार्ट होते हैं और वे अपनी बातों से लोगों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।चो अगर दुनिया में रंग न होते तो दुनिया कैसी होती...। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार रंगों का हमारे जीवन से गहरा नाता है। इस बात को वैज्ञानिक भी मानते हैं। पिछले दिनों अमेरिका में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि पीला रंग उमंग बढ़ाने में सहायक है। पीला रंग हमारे दिमाग को अधिक सक्रिय करता है। नतीजतन दिमाग में उठने वाली तरंगें खुशी का अहसास कराती हैं।वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बात के परीक्षण के लिए हमने करीब पांच सौ महिलाओं को अपने अध्ययन में शामिल किया और यह अध्ययन करीब तीन साल तक चला। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि यह देखने में आया कि जो महिलाएं महीने में कई बार पीले परिधान धारण करती थीं, उनका आत्मविश्वास ऐसा न करने वाली महिलाओं की तुलना में करीब चालीस फीसद अधिक था।इस संदर्भ में चीन के फेंगशुई विशेषज्ञ चांग वान का कहना है कि पीले रंग के परिधान हमारे दिमाग के उस हिस्से को अधिक एलर्ट करते हैं, जो हमें सोचने-समझने में मदद करता है। यही नहीं पीला रंग खुशी का अहसास कराने में भी मददगार होता है। वान का कहना है कि पीले रंग के परिधान पहनने के साथ ही हमें सप्ताह में दो-तीन बार पीले रंग के खाद्य पदार्थ जैसे पीले फल, पीली सब्जियां और पीले अनाज का भी सेवन करना चाहिए। इससे हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं। ये हानिकारक तत्व शरीर के अंदर बने रहने पर नर्वस सिस्टम को प्रभावित करते हैं।

'आंख आने' से ऐसे बचिए

यूं तो गर्मियों में 'मद्रास आई' जिसे बोलचाल की भाषा में 'आंख आना' कहते हैं, बेहद आम है, लेकिन जानकारों के अनुसार इस गर्मी के मौसम में यह बीमारी कुछ ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है। वासन आई केयर अस्पताल की सपना मारडी ने आईएएनएस को बताया, 'हमारे यहां इस बीमारी से संबधित हर दिन करीब 10 मरीज आ रहे हैं। हमने पाया कि इस बीमारी के लिए दी जाने वाली दवाओं के प्रति इसके जीवाणु प्रतिरोधी हो गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ मामले बेहद मामूली होते हैं और वह खुद से ठीक भी हो जाते हैं, जबकि गंभीर मामलों में इसे ठीक होने में तीन से चार हफ्तों का समय लग सकता है। इस बीमारी में आखों के उजले भाग पर संक्रमण हो जाता है और इसका रंग

लाल हो जाता है। यह संक्रमण एक आदमी से दूसरे तक आसानी से पहुंचता है। हालांकि कई बार धूल, धुंआ और प्रदूषण से भी यह समस्या हो जाती है। इस बीमारी के दौरान संक्रमित इंसान को आंखों में खुजली, धुंधला दिखना जैसी समस्याएं होती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, दिन में खूब पानी पीना इससे बचने का एक अच्छा उपाय है। इसके अलावा हरी सब्जियों, ताजे फलों का सेवन, अच्छी नींद लेना आदि भी इस बीमारी को दूर रखने में मदद करता है। ठंडी चीजों, जैसे ककड़ी आदि को आखों पर रखने से भी इस मौसम में ताजगी महसूस होती है।**'आंख आने' की बीमारी के बचने के कुछ उपाएः** त्संक्रमित आंख को छूने या रगड़ने से बचें। तदिन में अपनी आंखों को कई बार ठंडे पानी से धोएं। खासकर दिनभर के काम के बाद घर लौटने पर यह जरूर करें। तकिसी दूसरे का तौलिया, रूमाल, तकिया, बिस्तर आदि इस्तेमाल करने से बचें। त्दुपहिया वाहन पर चलते समय हमेशा धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें।

स्कार्फ से दें स्टाइलिश लुक

कई बार मौसम के साथ अजब सी उदासी जुड़ जाती है इसे दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है अपने पहनावे में कुछ खूबसूरत रंग जोड़े जाएं। इस लिहाज से बेस्ट हैं कलरफुल स्काव्र्स। फैशन एक्सपर्टस

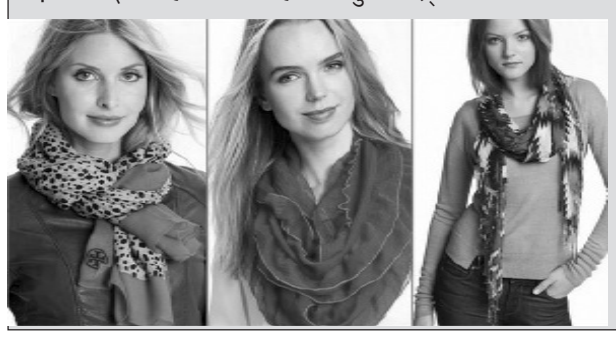

की मानें तो इन दिनों जरूरी एक्सेसरी व फैशन का पर्याय बन चुका है स्कार्फ।इन दिनों कॉटन, क्रोएशिया से लेकर सिल्क तक विभिन्न फैब्रिक और कलर पैटर्न में इनकी व्यापक रेंज मौजूद है। जींस हो या स्कर्ट, किसी भी वेस्टर्न वेयर के साथ इसका कांबिनेशन बेस्ट लगता है । इन्हें आप मिक्स एंड मैच करके पहन सकती हैं। प्लेन कलर की ड्रेस में जोड़ना हो तो वाइब्रेंट अंदाज के लिए कलरफुल स्कार्फ से बात बन जाती है। स्कार्फ के ढेरों फायदे भी हैं । बालों को धूप से बचाना हो तो इससे हेड कवर कर सकती हैं । फिटिंग की ड्रेस के साथ स्कार्फ डालने से ऐलीगेंसी बढ़ जाती है वहीं इसे पहनने के अनेक तरीके भी हैं । गले में रैप करने के अलावा इसे खुले बालों पर टर्बन की तरह बांध सकती हैं। रेट्रो लुक का भी साथी है स्कार्फ। खुले बालों में स्कार्फ को चौड़े हेयर बैंड की तरह भी बांधा जा सकता है सकती है। जींस व शर्ट के साथ कमर में इसे बेल्ट की तरह बांधना भी स्टाइलिश लगेगा।

रेड वाइन, डार्क चॉकलेट से कैंसर का खतरा

'रेड वाइन' का सेवन करने वालों के लिए यह बात बेहद हैरानी वाली साबित हो सकती है कि डार्क चॉकलेट, रेड वाइन और बेरीज कैंसर का खतरा कम करने की दृष्टि से लाभप्रद नहीं है। एक शोध में यह खुलासा हुआ है कि जिन चीजों में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है, वे चीजें दिल की बीमारियों, कैंसर और मौत के खतरे को कम करने में विफल होती हैं। रेड वाइन, डार्क चॉकलेट और बेरीज में रेसवरैट्रॉल नामक पदार्थ पाया जाता है। जो लोग रेसवरैट्रॉल युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं, उनकी आयु कम होती है और उनको हृदय रोग और कैंसर का खतरा कहीं अधिक होता है। जबकि कम मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट युक्त चीजें खाने-पीने वालों की आयु अपेक्षाकृत अधिक होती है। जॉन्स हॉपकिंस युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर रिचर्ड डी. सेंबा ने कहा, 'पहले यह समझा जाता था कि जिन चीजों में एंटीऑक्सीडेंट, रेसवरैट्रॉल होता है, वह स्वास्थ्य के हिसाब से फायदेमंद होती हैं। लेकिन शोध में हमने ऐसा कुछ नहीं पाया।' लेकिन एक तथ्य यह भी सामने आया है कि नकारात्मक परिणामों के बावजूद रेड वाइन, डार्क चॉकलेट और बेरीज के सेवन से कुछ लोगों में सूजन की समस्या कम हो जाती है और यह दिल की सुरक्षा के लिए कारगर साबित होता है।

ऑवर इटिंग से है परेशान तो आज से शुरू करें ये आदत

दिनभर थोड़ा-थोड़ा भोजन करने पर ऑवरइटिंग करने से छुटकारा मिल सकता है। एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है। वैज्ञानिकों ने कुछ लोगों के मस्तिष्क को स्कैन किया और बताया कि जब एक रेस्टोरेंट में हम खाना आते हुए देखते है तो हम खुश क्यों हो जाते है वहीं जब वह ऑर्डर किसी और के पास चला जाता है तो हम मायूस हो जाते है। शोध से पता चला कि जैसे ही खाना

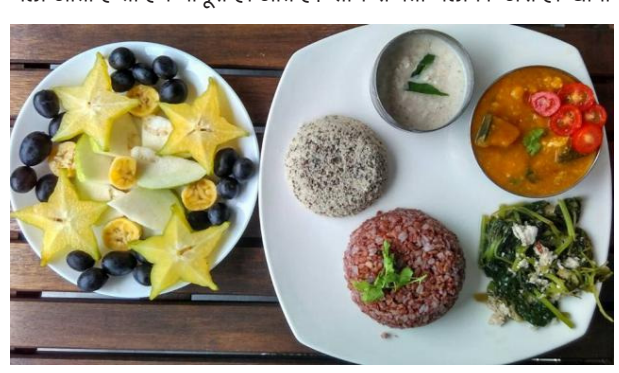

टेबल पर आ रहा होता है तो मस्तिष्क में मौजूद हंगर न्यूरॉन अपने आप बंद हो जाते है। वहीं जब ऑर्डर दूसरे टेबल पर चला जाता है तो ये वापिस चालू हो जाते है। पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पाया कि दिनभर थोड़ा-थोड़ा खाने से हंगर न्यूरॉन को शांत किया जा सकता है। जिससे भूख भी ज्यादा नहीं लगेगी वही आपको मोटापे का सामना भी नहीं करना होगा। वैज्ञानिकों ने खाना आने पर, उसकी खुशबू आने पर और खाना खाने पर मस्तिष्क की गतिविधियों पर शोध किया। मस्तिष्क में मौजूद हाइपोथैलेमस भूख से होने वाली गतिविधियों को कंट्रोल करता है। शोध में पाया गया कि मस्तिष्क में मौजूद हंगर न्यूरॉन खाने से मिलने वाली कैलोरी और पोषक तत्व से ही शांत होती है। इससे पहले एक चूहे पर किए गए शोध में यह पाया गया कि जब उसके सामने चूहे के द्वारा नहीं खाने वाला बिना कैलोरी जेल, स्ट्रोबेरी फ्लेवर का खाना सामने लाया गया तो उसके मस्तिष्क में कोई गतिविधि नहीं हुई।

आईपीएल 2023: पंजाब किंग्स के सामने होगी मुंबई इंडियंस की कड़ी परीक्षा

मोहाली। पिछले मैच में अप्रत्याशित जीत के बाद अपना अभियान पटरी पर लाने के प्रयासों में जुटी मुंबई इंडियंस की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को यहां होने वाले मैच में पंजाब किंग्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। मुंबई और पंजाब दोनों टीमों के लिए आगे के मैच काफी महत्वपूर्ण है। पांच बार का चैंपियन मुंबई पिछले सत्र में दसवें और आखिरी स्थान पर रहा था और इस बार भी उसकी स्थिति अच्छी नजर नहीं आ रही है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के आठ मैचों में आठ अंक है और वह सातवें स्थान पर है। ऐसे में एक हार से टीम के लिए आगे की राह कांटों भरी हो जाएगी। शिखर धवन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स की टीम के नौ मैचों में 10 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। वह इस मैच में जीत दर्ज करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करना चाहेगी।

मुंबई का राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अंतिम ओवर में मिली जीत से मनोबल बढ़ा होगा। सिंगापुर में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टिम डेविड ने लगातार तीन छक्के जड़कर मुंबई को जीत दिलाई थी। उनकी 14 गेंदों पर खेली गई नाबाद 45 रन की पारी से राजस्थान रॉयल्स का सात विकेट पर 212 रन का स्कोर भी बौना साबित हो गया। भारत के टी20 विशेषज्ञ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (55), ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन (44), इशान किशन (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 29) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन डेविड की पारी का कोई सानी नहीं था जिसमें उन्होंने पांच छक्के और दो चौके लगाए। मुंबई को अपने खिलाड़ियों से पंजाब किंग्स के खिलाफ इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। पंजाब की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है लेकिन उसके लिए सबसे बड़ी चिंता शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है।

कप्तान शिखर धवन और कुछ हद तक उनके सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह को छोड़कर पंजाब के अन्य बल्लेबाज अपेक्षित योगदान देने में नाकाम रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में हालांकि उसके सभी बल्लेबाजों ने योगदान दिया था जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। पंजाब को यदि अपना विजय अभियान जारी रखना है तो धवन और प्रभसिमरन को अच्छी शुरुआत देनी होगी तथा मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन, सैम करेन और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी उपयोगी योगदान देना होगा। पंजाब की टीम को हालांकि जोफ्रा आर्चर से सतर्क रहना होगा जिन्होंने पिछले मैच में अपने कोटे के सभी ओवर करके एक विकेट भी लिया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान और अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला से भी मुंबई को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

मुंबई के लिए हालांकि कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म चिंता का विषय है जो अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वह पिछले मैच में केवल तीन रन बना पाए थे और इस मैच में बड़ी पारी खेलकर वापसी करने को बेताब होंगे। टीम इस प्रकार हैं: पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम कुर्रन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे। मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जानसन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, रिले मेरेडिथ , शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम ने हासिल किया शीर्ष स्थान

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया से ऊपर पहुंची टीम

नई दिल्ली। आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारतीय टीम को काफी फायदा हुआ है और भारत की टीम अब शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। भारत ने आस्ट्रेलिया को पछाड़कर आईसीसी पुरूष टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस सालाना अपडेट में 2019 . 20 सत्र के नतीजे नहीं है जबकि मई 2020 के बाद से खेली गई सारी श्रृंखलाओं के नतीजे शामिल हैं।

भारत के रेटिंग अंक 119 से 121 हो गए हैं क्योंकि मार्च 2020 में न्यूजीलैंड से मिली 2 . 0 से हार इसमें शामिल नहीं है। इसमें मई 2020 से पहले की श्रृंखलाओं को 50 फीसदी और उसके बाद की श्रृंखलाओं को सौ फीसदी आंका गया है। भारत इससे पहले दिसंबर 2021 में शीर्ष पर पहुंचा था और एक महीने के लिये था। आस्ट्रेलिया के रेटिंग अंक अब 122 से 116 हो गए हैं। उसने 2019 . 20 में घरेलू श्रृंखलाओं में पाकिस्तान को 2 . 0 से , न्यूजीलैंड को 3 . 0 से हराया था जो इस रैंकिंग में शामिल नहीं हैं। वहीं इंग्लैंड पर 2021 . 22 में मिली जीत का 50 प्रतिशत ही आंका गया है। भारत और आस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में सात जून को ओवल पर एक

दूसरे के सामने होंगे। आस्ट्रेलिया जनवरी 2022 से शीर्ष पर था जिसने इंग्लैंड को 4 . 0 से हराकर यह स्थान हासिल किया था। इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है लेकिन उसके और दूसरे स्थान की टीम के बीच अंतर 13 की बजाय दो अंक का रह गया है। बाकी की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है। दसवें स्थान पर काबिज जिम्बाब्वे को पांच रेटिंग अंक मिले हैं। अफगानिस्तान और आयरलैंड ने अभी इतने टेस्ट नहीं खेले कि उन्हें रैंकिंग तालिका में जगह मिल सके। पुरूषों की टी20 टीम रैंकिंग में भारत ने शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड से उसके छह की बजाय आठ अंक अधिक हैं। न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वनडे टीम रैंकिंग का सालाना अपडेट 10 मई को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच चल रही श्रृंखला के बाद जारी होगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टीम इंडिया को दुनिया की नंबर 1 टेस्ट टीम बनने पर बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि शीर्ष स्थान टेस्ट क्रिकेट के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और घर व बाहर दोनों जगह लगातार प्रदर्शन करता दिखा है। भारत नंबर एक की टी20 इंटरनेशनल की टीम भी है।'

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले स्टीव स्मिथ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करेंगे पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को सात जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले स्टीव स्मिथ की तैयारियों का जायजा लेने का मौका मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया का पूर्व कप्तान इस महीने ससेक्स की तरफ से तीन काउंटी मैच खेलेगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात से 11 जून तक ओवल में खेला जाएगा। पुजारा अभी लंबी अवधि के प्रारूप में ससेक्स की कप्तानी कर रहे हैं तथा वह तीसरे जबकि स्मिथ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरेंगे।

स्मिथ के ससेक्स की तरफ से तीन मैचों में वॉर्सेस्टरशर (4-7 मई), लीसेस्टरशर (11-14 मई) और ग्लेमोर्गन (18-22 मई) के खिलाफ खेलने की संभावना है। इन मैचों से स्मिथ डब्ल्यूटीसी फाइनल और 16 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए तैयारी करेंगे। पुजारा ने ससेक्स क्रिकेट से स्मिथ के साथ खेलने के बारे में पूछे जाने पर कहा,'' हम दोनों एक दूसरे से बात करते हैं लेकिन अधिकतर समय हमने एक-दूसरे के

खिलाफ ही क्रिकेट खेली है। पुजारा ने स्वीकार किया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले स्मिथ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना उनके लिए मिश्रित भावनाओं जैसा होगा। उन्होंने कहा,'' हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलेंगे इसलिए यह मिश्रित भावनाओं वाला होगा। मैदान पर हमने हमेशा एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी है लेकिन मैदान के बाहर हम अच्छे दोस्त हैं।'' पुजारा ने कहा,'' मैं उसके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर रोमांचित हूं। मैं उससे बात करने और उससे कुछ सीखने की कोशिश करूंगा और इस पर गौर करूंगा कि वह कैसी तैयारी करता है क्योंकि वह काफी अनुभवी है और उसने टेस्ट क्रिकेट में ढेरों रन बनाए हैं।

जायसवाल अपनी बल्लेबाजी को अगले स्तर पर ले गया है:रोहित शर्मा

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस युवा बल्लेबाज के स्ट्रोक्स की ताकत को देखकर वह हैरान थे। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को मुंबई के खिलाफ 62 गेंदों में 124 रन बनाए जिसमें 16 चौके और आठ छक्के शामिल हैं। रोहित ने मैच के बाद कहा,'' मैंने उसे पिछले साल खेलते हुए देखा था और इस साल वह अपने खेल को अगले स्तर पर ले गया है। मैंने उससे पूछा कि वह इतनी ताकत कहां से लाता है। उसने कहा कि वह जिम जाता है। उसका यह प्रदर्शन उसके लिए, भारतीय क्रिकेट के लिए और राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छा है।'' जायसवाल को उनकी शानदार पारी के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना और प्रक्रिया पर अपना ध्यान बनाए रखना चाहते हैं।

आईपीएल में गंभीर से हुई बहस के बाद आया कोहली का बयान

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान फिर एक-दूसरे से भिड़ गए। इस भिड़ंत के दौरान स्टेडियम पर जमकर हंगामा हुआ।

इस भिड़ंत से साफ हो गया कि विराट कोहली और गौतम गंभीर दोनों के बीच मतभेद है और जो अब खुलकर सामने आ गए है। जानकारी के मुताबिक आरसीबी के मुख्य बल्लेबाज कोहली और लखनऊ टीम के मेंटर (मार्गदर्शक) गंभीर सोमवार को खेले गए मैच के बाद एक दूसरे से बहस में उलझ पड़े। आरसीबी ने इस कम स्कोर वाले मैच में 18 रन से जीत दर्ज की थी। संभावना है कि कोहली की लखनऊ के सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स के साथ हुई संक्षिप्त बहस से इस झड़प की शुरुआत हुई। मैच समाप्त होने के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे थे तब लखनऊ के गेंदबाज नवीन उल हक और कोहली को आपस में बहस करते हुए देखा गया तथा आरसीबी के ग्लेन मैक्सवेल ने उन दोनों को एक दूसरे से अलग किया।

इसके बाद गंभीर ने मायर्स को

कोहली के साथ बातचीत करने से रोक दिया। इसके तुरंत बाद गंभीर को कोहली की तरफ बढ़ते हुए देखा गया। तब लखनऊ के चोटिल कप्तान केएल राहुल सहित उनके अन्य खिलाड़ियों ने उन्हें रोका। इसके बाद कोहली और गंभीर में तीखी बहस हुई जबकि वे दोनों टीमों के खिलाड़ियों से घिरे हुए थे। गंभीर अधिक आक्रामक नजर आ रहे थे और लखनऊ के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने लगातार उन्हें कोहली की तरफ बढ़ने से रोका। ऐसा इन दोनों के आपस में हाथ मिलाने के बाद हुआ। शुरू में कोहली को गंभीर का कंधा पकड़े हुए देखा गया लेकिन जब दोनों के बीच तीखी बहस जारी रही तब अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा, आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी और लखनऊ के सहायक कोच तथा दिल्ली के एक अन्य पूर्व खिलाड़ी विजय दहिया ने उनको अलग किया।

इस झड़प के बाद कोहली को लखनऊ के कप्तान राहुल से बातचीत करते हुए देखा गया। कोहली और गंभीर दोनों भारत और दिल्ली टीम की तरफ से एक साथ खेल चुके हैं लेकिन इससे पहले भी उनके बीच झड़प होती रही है। इससे पहले जब लखनऊ और आरसीबी के बीच बेंगलुरु में मैच खेला गया था तो गंभीर को दर्शकों की तरफ चुप रहने इशारा का करते हुए देखा गया था। इन दोनों के बीच 10 साल पहले आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच बेंगलुरु में खेले गए मैच के दौरान भी झड़प हुई थी।

इस झड़प को लेकर हो रही चर्चा के बाद आरसीबी के खिलाड़ी विराट कोहली का बयान भी सामने आया है। उन्होंने मैच के बाद एक पोस्ट शेयर किया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्होंने साफ किया है कि लोग चाहे जो बोलें उन्हें किसी की बात से फर्क नहीं पड़ता है। विराट कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि जो भी आप सुनते हैं वो राय है हकीकत नहीं है। आप जो देखते हैं वो नजरिया हैं ना की सच्चाई। माना जा रहा है कि विराट कोहली का ये बयान सोमवार को गौतम गंभीर के साथ हुई घटना से जुड़ा हुआ है।

बैडमिंटन चयन: फिटनेस कारणों से एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग नहीं लेगी साइना

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की चैंपियन साइना नेहवाल फिटनेस कारणों से एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय बैडमिंटन चयन ट्रायल्स में भाग नहीं लेगी। भारतीय बैडमिंटन संघ तेलंगाना में स्थित ज्वाला गुट्टा अकादमी में चार से सात मई तक एशियाई खेलों के लिए टीम का चयन करने के लिए ट्रायल का आयोजन करेगा। एशियाई खेल 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझू में खेले जाएंगे। बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा,'' साइना नेहवाल फिटनेस कारणों से भाग नहीं लेगी।। इसके अलावा कुशल राज और प्रकाश राज ने भी ट्रायल्स से अपना नाम वापस ले लिया है। हालांकि जिन अन्य खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए आमंत्रित किया गया

था वह सभी इसमें भाग लेंगे।''

साइना आखिरी बार ऑरलियन्स मास्टर्स में खेली थी। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझ रही इस पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने जनवरी में बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया था। वह पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल्स में भी हिस्सा नहीं ले पाई थीं। बैडमिंटन संघ ने विश्व रैंकिंग के आधार पर पीवी सिंधू (विश्व रैंकिंग 11), एचएस प्रणय (विश्व रैंकिंग 9), चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी (विश्व रैंकिंग 6) की पुरुष जोड़ी और त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद (विश्व रैंकिंग 6) की महिला जोड़ी का एशियाई खेलों के लिए सीधा चयन किया है। एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है: पुरुष एकल: लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, प्रियांशु राजावत, मिथुन मंजूनाथ, साई प्रणीत, मैसनम मीराबा, भरत राघव, अंसल यादव, सिद्धांत गुप्ता महिला एकल: आकाशी कश्यप, मालविका बंसोद, अश्मिता चालिहा , अदिति भट, उन्नति हुड्डा, अलीशा नाइक, श्रियांशी वलीशेट्टी, अनुपमा उपाध्याय पुरुष युगल: एमआर अर्जुन/ध्रुव कपिला, कृष्ण प्रसाद/विशुवर्धन, सूरज गोला/पृथ्वी रॉय, नितिन एचवी/साई प्रतीक। महिला युगल: अश्विनी भट/शिखा गौतम, तनीषा क्रास्टो/अश्विनी पोनप्पा, राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा मिश्रित युगल: रोहन कपूर/सिक्की रेड्डी, साई प्रतीक/तनिषा क्रास्टो, हरिहरन/वार्शिनी, हेमागेंद्र बाबू/कनिका कंवल।

सिटसिपास और स्वियातेक टूर्नामेंट के अगले दौर में

मैड्रिड। स्टेफानोस सिटसिपास और इगा स्वियातेक ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज करके मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त सिटसिपास ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद 31वें वरीय सेबेस्टियन बेज को 7-5, 3-6, 6-3 से हराकर इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। उनका अगला मुकाबला 27वीं वरीयता प्राप्त पेट्रा मार्टिच से होगा जिन्होंने 11वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिक्कोवा को 6-3, 7-6 (1) से हराया। मैड्रिड में पिछले साल की उपविजेता तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मार्टिना ट्रेविसन को 6-3, 2-6, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

अपनी योजनाओं को लागू नहीं कर पाए: कृणाल

नई दिल्ली। लोकेश राहुल के चोटिल होने के कारण लखनऊ सुपरजाइंट्स की कप्तानी करने वाले कृणाल पंड्या ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सोमवार को यहां 18 रन की शिकस्त के बाद कहा कि उनकी टीम योजना को अच्छी तरह से लागू नहीं कर पाई। आरसीबी के 127 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरजाइंट्स की टीम लेग स्पिनर कर्ण शर्मा (20 रन पर दो विकेट), जोश हेजलवुड (15 रन पर दो विकेट) और वानिंदु हसरंगा (20 रन पर एक विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 19.5 ओवर में 108 रन पर सिमट गई।

सुपरजाइंटस की ओर से कृष्णप्पा गौतम (23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। इससे

पहले लेग स्पिनरों रवि बिश्नोई (21 रन पर दो विकेट) और अमित मिश्रा (21 रन पर दो विकेट), ऑफ स्पिनर गौतम (10 रन पर एक विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल पंड्या (बिना विकेट के 21 रन) ने मिलकर 13 ओवर में सिर्फ 73 रन दिए और पांच विकेट चटकाए जिससे आरसीबी की टीम नौ विकेट पर 126 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने भी 30 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। आरसीबी के लिए कप्तान फाफ डुप्लेसी (44) शीर्ष स्कोरर रहे।

उन्होंने विराट कोहली (31) के साथ पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद आरसीबी की पारी लड़खड़ा गई। इन दोनों के अलावा दिनेश कार्तिक (16) ही दोहरे अंक में पहुंच गए। कृणाल ने मैच के बाद कहा, ''हमने पहले हाफ में उन्हें कम स्कोर पर रोककर काफी अच्छा प्रदर्शन किया। यह एक बेहतरीन टीम प्रयास था। हमने इस टूर्नामेंट में जिस तरह की गेंदबाजी की उससे वास्तव में खुश हूं। मैच की शुरुआत में हम 126 रन आसानी से स्वीकार कर लेते। लेकिन हम अपनी योजनाओं को क्रियान्वित नहीं कर सके।'' राहुल की चोट पर उन्होंने कहा, ''यह दुखद है। मुझे लगता है कि उसके कूल्हे में चोट लगी है। मुझे नहीं पता कि यह कितना बुरा है। मेडिकल टीम इसका आकलन करेगी।

लखनऊ को होम ग्राउंड में आरसीबी ने दी मात, छोटे स्कोर के मैच में भी 18 रनों से दी मात

लखनऊ। लेग स्पिनर कर्ण शर्मा की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग के कम स्कोर वाले मैच में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजाइंट्स को 18 रन से हरा दिया। आरसीबी के 127 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरजाइंट्स की टीम कर्ण (20 रन पर दो विकेट), जोश हेजलवुड (15 रन पर दो विकेट) और वानिंदु हसरंगा (20 रन पर एक विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 19.5 ओवर में 108 रन पर सिमट गई। टीम के लिए मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल और ग्लेन मैक्सवेल ने भी एक-एक विकेट चटकाया। सुपरजाइंटस की ओर से कृष्णप्पा गौतम (23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। अमित मिश्रा ने 19 रन बनाए। इससे पहले लेग स्पिनरों रवि बिश्नोई (21 रन पर दो विकेट) और अमित मिश्रा (21 रन पर दो विकेट), ऑफ स्पिनर कृष्णप्पा गौतम (10 रन पर एक विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल पंड्या (बिना विकेट के 21 रन) ने मिलकर 13 ओवर में सिर्फ 73 रन दिए और पांच विकेट चटकाए जिससे आरसीबी की टीम नौ विकेट पर 126 रन ही बना सकी।

तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने भी 30 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। आरसीबी के लिए कप्तान फाफ डुप्लेसी (44) शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने विराट कोहली (31) के साथ पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद आरसीबी की पारी लड़खड़ा गई।

इन दोनों के अलावा दिनेश कार्तिक (16) ही दोहरे अंक में पहुंच गए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 27 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए जिससे टीम कभी नहीं उबर पाई। आरसीबी की पारी के दूसरे ओवर में क्षेत्ररक्षण के दौरान चोटिल हुए कप्तान लोकेश राहुल की जगह काइल मायर्स के साथ आयुष बडोनी पारी का आगाज करने उतरे।

सिराज की पारी की दूसरी ही

गेंद पर मायर्स (00) ने मिड ऑन पर अनुज रावत को कैच थमाया। कृणाल पंड्या (14) ने सिराज पर लगातार तीन चौके मारे लेकिन मैक्सवेल की गेंद पर कोहली को कैच दे बैठे। हेजलवुड ने बडोनी (04) को कोहली के हाथों कैच कराया जबकि हसरंगा ने दीपक हुड्डा (01) को स्टंप कराके मेजबान टीम को चौथा झटका दिया। मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन ने आते ही क्रमशः हेजलवुड और हसरंगा पर छक्के मारे। लखनऊ की टीम पावरप्ले में चार विकेट पर 34 रन ही बना सकी। पूरन भी नौ रन बनाने के बाद कर्ण की गेंद को हवा में लहराकर महिपाल लोमरोर को कैच दे बठे। गौतम ने कर्ण की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। गौतम ने हसरंगा पर सीधा छक्का जड़ा लेकिन कर्ण की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में स्टोइनिस (13) ने सुयश प्रभुदेसाई को कैच थमा दिया। अगले ओवर में गौतम भी रन आउट हो गए जिससे टीम का स्कोर सात विकेट पर 66 रन हो गया। महिपाल लोमरोर की गेंद पर रवि बिश्नोई (05) को जीवनदान मिला लेकिन वह दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। सुपरजाइंट्स को अंतिम चार ओवर में जीत के लिए 48 रन की दरकार थी। अगले दो ओवर में 17 रन बने। अंतिम दो ओवर में मेजबान टीम को 31 रन की जरूरत थी। नवीन उल हक (13) ने हेजलवुड पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद पर कार्तिक को कैच दे बैठे। राहुल 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे लेकिन कोई करिश्मा नहीं कर पाए और हर्षल ने मिश्रा को कार्तिक के हाथों कैच कराके अपनी टीम को जीत दिला दी। डुप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और कोहली के साथ मिलकर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 42 रन बनाए। कोहली ने कृणाल की मैच की पहली ही गेंद पर चौके से खाता खोला जबकि डुप्लेसी ने मार्कस स्टोइनिस की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराने के बाद नवीन पर पारी का पहला छक्का जड़ा। आरसीबी के रनों का अर्धशतक आठवें ओवर में पूरा हुआ। रन गति बढ़ाने का दबाव बल्लेबाजों पर साफ दिख रहा था और कोहली इसी दबाव को हटाने की कोशिश में बिश्नोई की गेंद पर स्टंप हो गए। उन्होंने 30 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके मारे। लखनऊ की प्रभावी गेंदबाजी के आगे आरसीबी की टीम 10 ओवर में एक विकेट पर 65 रन ही बना सकी। अनुज रावत (09) भी रन गति बढ़ाने में दबाव में पवेलियन लौटे। उन्होंने गौतम की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर मायर्स को कैच थमाया। बिश्नोई ने मैक्सवेल (04) को पगबाधा किया जबकि मिश्रा ने सुयश प्रभुदेसाई (06) को गौतम के हाथों कैच कराके आरसीबी का स्कोर चार विकेट पर 90 रन किया। बीच के ओवरों में आरसीबी के बल्लेबाज 46 गेंद तक बाउंड्री नहीं लगा पाए। कार्तिक ने नवीन पर चौके के साथ बाउंड्री के सूखे को खत्म किया और फिर मिश्रा पर भी छक्का मारा। मिश्रा ने हालांकि इसी ओवर में डुप्लेसी को कृणाल के हाथों कैच करा दिया। उन्होंने 40 गेंद का सामना करते हुए एक चौका और एक छक्का मारा। नवीन ने इसके बाद महिपाल लोमरोर (03), कर्ण शर्मा (02) और मोहम्मद सिराज (00) को आउट किया जबकि कार्तिक रन आउट हुए।

सम्पादकीय

पाक का इरादा क्या है

पाकिस्तान ने इस बात की औपचारिक पुष्टि कर दी कि उसके विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने गोवा में होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एण्ड) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने आएंगे। इस यात्रा की सूरत बनना इस लिहाज से अहम है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पिछले कुछ समय से बेहद बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अगर यह यात्रा होती है तो पिछले करीब एक दशक में पहला मौका होगा, जब पाकिस्तान का कोई बड़ा नेता भारत यात्रा पर आएगा। बिलावल न केवल पाकिस्तान के विदेश मंत्री बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बेटे और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के प्रमुख नेता भी हैं। जाहिर है, उनका आना केवल एक विदेश मंत्री का आना नहीं होगा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि भारत की ओर से आमंत्रित किए जाने और पाकिस्तान की ओर से यात्रा की पुष्टि किए जाने के बाद भी इस संभावित यात्रा के साथ यह सवाल बना हुआ है कि यह सचमुच होगी या किसी बहाने से आखिरी पलों में टाल दी जाएगी। इसका एक बड़ा कारण है कश्मीर में गुरुवार को सेना पर हुआ एक और आतंकी हमला, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। गौर करने की बात है कि भारत-पाक संबंधों में आई हालिया खटास के पीछे सबसे बड़ी भूमिका आतंकी घटनाओं की ही रही है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी शामिल हुए थे। उसे दोनों देशों के रिश्तों में एक नई पॉजिटिव शुरुआत के रूप में देखा गया था। उसके बाद अगले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अचानक नवाज शरीफ के एक पारिवारिक समारोह में शामिल होकर सबको चौंका दिया था। मगर जनवरी 2016 में पठानकोट और सितंबर 2016 में उरी में हुए आतंकवादी हमलों के बाद हालात बदलते चले गए। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवादी गतिविधियां और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकतीं। उधर, पाकिस्तान ने भी 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के फैसले को मुद्दा बना लिया। कुल मिलाकर दोनों तरफ हालात रिश्तों में सुधार के प्रतिकूल ही नजर आ रहे थे। मगर पिछले कुछ समय से स्थितियां बदलती नजर आईं। जहां पाकिस्तान असाधारण आर्थिक मुश्किलों से घिर गया और वहां भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों में सुधार के लिए दबाव महसूस किया जाने लगा, वहीं चीनी सीमा पर तनाव के मद्देनजर भारत में भी पाकिस्तान के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने की बात कही जाने लगी है। ऐसे मौके पर एसओडी के विदेश मंत्रियों की यह बैठक एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है। लेकिन मूल सवाल यही है कि क्या पाकिस्तान आतंकी तत्वों की हरकतों पर लगाम लगाने की भारत की बुनियादी मांग को सम्मान देने की इच्छा शक्ति दिखा पाएगा?

विदेशों में भारतीयों की सफलता में हमारे संस्कारों का सबसे अहम योगदान है

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो (यूएस सेंसस ब्यूरो) द्वारा अमेरिका में निवास कर रहे विभिन्न देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय एवं अन्य कई मानदंडों पर जारी की गई जानकारी के अनुसार अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 119,858 अमेरिकी डॉलर है, जो अमेरिका में निवासरत समस्त अन्य देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय में सबसे अधिक है। दूसरे क्रमांक पर ताईवान मूल के अमेरिकी नागरिक आते हैं जिनकी वार्षिक औसत आय 95,736 अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसी प्रकार चीनी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 81,497 डॉलर, जापानी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 80,036 एवं अमेरिकी मूल के गोरे नागरिकों की वार्षिक औसत आय 65,902 आंकी गई है।

इसी प्रकार, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे अमेरिकी मूल के नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का 13 प्रतिशत है, एशिया के समस्त देशों का औसत 10 प्रतिशत है जबकि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों में केवल 6 प्रतिशत नागरिक ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों का दबदबा पाया गया है। वर्ष 2021 के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, 25 वर्ष की आयु की कुल जनसंख्या में से 33 प्रतिशत अमेरिकी मूल के नागरिक स्नातक स्तर तक शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि भारतीय मूल के 25 वर्ष की आयु के अमेरिकी नागरिकों में 80 प्रतिशत नागरिक स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करते हैं। इनमें से 49 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने व्यावसायिक डिग्री (डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधन) प्राप्त की थी जबकि अमेरिकी मूल के केवल 13 प्रतिशत नागरिकों ने व्यावसायिक डिग्री प्राप्त की थी।

अमेरिकी मूल के कई नागरिक स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने पर भारी खर्च करने के उपरांत भी उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं। जबकि अधिकतर अमेरिकी नागरिकों का सोचना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु उन क्षेत्रों को चुना जाना चाहिए जिससे स्नातक डिग्री प्राप्त करने हेतु किए गए खर्च को उच्च निवेश की श्रेणी में परिवर्तित कर उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया जा सके। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों द्वारा व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते समय उक्त बात पर विचार किया जाता है। इसी कारण से 36 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक इंजीनीयरिंग के क्षेत्र में, 35 प्रतिशत गणित एवं कम्प्यूटर साइंस के क्षेत्र में एवं 10 प्रतिशत व्यवसाय एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते हैं।

कुल मिलाकर, अमेरिका में निवास कर रहे अप्रवासी नागरिकों में से 37 प्रतिशत नागरिक इंजीनीयरिंग, साइंस एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावसायिक डिग्री हासिल कर पाते हैं एवं अमेरिकी मूल के 43 प्रतिशत नागरिक परंतु भारतीय मूल के 79 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक इन विधाओं में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते हैं।

अमेरिका में चूंकि उद्योग एवं कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध ही नहीं हैं अतः अमेरिकी मूल के नागरिक सेवा के क्षेत्र में सबसे बड़ी संख्या में कार्य करते हैं। इन क्षेत्रों में वेतन तुलनात्मक रूप से बहुत कम मात्रा में प्रदान किया जाता है। अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का केवल एक प्रतिशत है परंतु अमेरिका में प्रारम्भ की जा रही उच्च तकनीकी कम्पनियों के निर्माण में 8 प्रतिशत भागीदारी

भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की है। साथ ही, अमेरिका में प्रारम्भ किए जा रहे कुल स्टार्ट-अप में से 33 प्रतिशत स्टार्ट-अप भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के सहयोग से प्रारम्भ किए जा रहे हैं। यह समस्त संस्थान बहुत सफल भी हो रहे हैं। इससे भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की बिलिनायर्स (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति) के रूप में संख्या भी तेजी से बढ़ती जा रही है। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक श्री जय चौधरी की सम्पत्ति 830 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है, इसी प्रकार श्री विनोद खोसला की सम्पत्ति 530 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री रोमेश वाधवानी की सम्पत्ति 510 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री राकेश गंगवाल की सम्पत्ति 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री नीरज शाह की सम्पत्ति 280 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्री अनिल भुरसी की सम्पत्ति 230 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। यह सूची बहुत लम्बी है।

जब अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की उल्लेखनीय सफलता के पीछे कारण खोजने का प्रयास किया जाये तो निम्नलिखित कारण ध्यान में आते हैं। भारतीय संस्कारों के अनुसार, भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लिए अपने हितों का त्याग करते पाए जाते हैं। भारतीय माताएं अपने व्यावसायिक कार्य के प्रति जुनून को अपने बच्चों के हित में त्याग देती हैं। इसी प्रकार, भारतीय पिता अपने व्यवसाय में अपने बच्चों के हित में कई प्रकार के समझौते करते हैं। अतः भारतीय माता पिता के लिय अपने बच्चों का लालन पालन सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाती है। भारतीय माता पिता अपने जीवन के व्यस्ततम पलों में भी सबसे उत्कृष्ट समय अपने बच्चों के विकास पर खर्च करते हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों द्वारा अपने बच्चों को अमरीका में अभी भी भारतीय संस्कारों के अनुसार ही पाला पोसा जाता है।

भारतीय माता-पिता अपने बच्चों में बचपन में ही विश्वास का भाव जगाते हैं। वे स्वयं भी अपने बच्चों पर विश्वास करते हैं एवं उन्हें भी समाज के अन्य वर्गों के प्रति विश्वास करना सिखाते हैं। बच्चों में विकसित किए गए इस विश्वास के चलते माता-पिता अपने बच्चों के सबसे अच्छे मित्र बन जाते हैं एवं बच्चे अपने माता पिता के साथ अपने जीवन की समस्त बातों को साझा करने में डरते नहीं हैं।

भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक, अमेरिका में भी संयुक्त परिवार के रूप में एक ही मकान में रहते हैं। इससे इनके पारिवारिक व्यवसाय को विकसित करने एवं तेजी से तरक्की करने में बहुत आसानी होती है। साथ ही, संयुक्त परिवार के रूप में रहने से तुलनात्मक रूप से पारिवारिक खर्चे भी कम होते हैं।

अमेरिका में वैवाहिक जीवन के मामले में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बहुत संतुष्ट एवं सुखी पाए जाते हैं। इसे शादी के बाद दिए जाने वाले तलाक सम्बंधी आंकड़ों के माध्यम से आंका गया है। अमेरिका में सबसे अधिक तलाक की दर अमेरिकी काले नागरिकों के बीच 28.8 प्रतिशत है, अमेरिकी गोरे नागरिकों के बीच यह 15.1 प्रतिशत है, परंतु भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के बीच यह केवल 1.3 प्रतिशत है (हालांकि कुछ सूर्वे में यह 6 प्रतिशत भी आंकी गई है), जो कि समस्त अन्य देशों के नागरिकों के बीच सबसे कम दर है। यह भारतीय संस्कारों का ही परिणाम है।

भारतीय माता पिता अपने बच्चों को भारतीय सामाजिक मान्यताओं से बचपन में ही परिचित कराते हैं एवं वे अपने बच्चों को अपने नाते रिश्तेदारों एवं जान पहिचान के परिवारों में विभिन्न आयोजनों में भाग लेना सिखाते हैं एवं इनसे सम्बंध स्थापित करना सिखाते हैं। वे अपने बच्चों को, इनकी शादी हो जाने तक, अपने पास ही रखते हैं, बहुत से भारतीय परिवार तो अपने बच्चों की शादी हो जाने के बाद भी इनके परिवार को संयुक्त परिवार के रूप में अपने साथ ही रखना पसंद करते हैं। इससे बच्चों को मानसिक सहयोग प्राप्त होता है एवं वे भारतीय संस्कारों एवं सामाजिक संस्कारों को सीखते हैं। बचपन में ही, बच्चों को संयुक्त परिवार में रहने की शिक्षा दी जाती है। बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार देखकर ही भारतीय संस्कार भी सीखते हैं। इसके ठीक विपरीत अमेरिकी मूल के नागरिक अपने बच्चों को उनकी 18 वर्ष की आयु प्राप्त होते ही अपने से अलग कर देते हैं एवं उन्हें अपना अलग घर बसाना होता है। बच्चे अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल भी करना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि पश्चिम के संस्कार ही कुछ इस तरह के हैं।

भारतीय मूल के अमेरिकी माता-पिता अपने बच्चों में बचपन में ही, बच्चों के रुझान को पहचान कर उसी क्षेत्र में उनका कौशल विकसित करते हैं ताकि बच्चे भविष्य में उसी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकें। साथ ही, भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखते हैं एवं बच्चों की गतिविधियों पर भी पूरी नजर रखते हैं ताकि उनके बच्चे किसी गलत राह पर न चल पड़ें। वे अपने बच्चों में बचपन में ही महान सनातन हिंदू संस्कृति, संस्कारों, परम्पराओं एवं विरासत का संवर्धन करते हैं। भारत में समस्त धर्मों को मानने वाले नागरिक आपस में मिलजुल कर रहते हैं, अतः अमेरिका में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बहुत संतोषी, शांतिप्रिय, मेहनती, अपने इरादों में पक्के एवं अपनो से बड़ों का आदर करने वाले पाए जाते हैं, वे किसी भी प्रकार के वाद विवाद से अपने आप को दूर ही रखना पसंद करते हैं।

अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं अन्य क्षेत्रों में अपार सफलता देखकर अब तो पूरा विश्व ही भारतीय संस्कारों को अपनाने के लिए लालायित होता दिखाई देने लगा है।

शिवाजी ने जब महादेव का अपने रक्त से अभिषेक करके हिन्दवी स्वराज्य का संकल्प लिया था

पुणे की दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगभग 82 किलोमीटर की दूरी पर, रोहिडखोरे की भोर तहसील में, सह्याद्रि की सुरम्य वादियों के बीच, समुद्र तल से लगभग 4694 फीट ऊंचाई पर घने जंगलों में श्री रायरेश्वर गढ़ स्थित है। यह हिन्दवी स्वराज्य का दुर्ग नहीं है, परंतु सह्याद्रि की यही वह पवित्र पहाड़ी है, जो हिन्दवी स्वराज्य के शुभ संकल्प की साक्षी बनी। सह्याद्रि की पर्वत श्रृंखलाओं में सांय-सांय करती हवा पर कान धरा जाए तो आज भी वीर बालक शिवा की प्रतिज्ञा की वह गूंज सुनी जा सकती है, जिसने धर्मद्रोही मुगलिया सल्तनत को उखाड़ फेंक दिया था। श्री रायरेश्वर के विस्तृत पहाड़ पर वह प्राचीन शिवालय आज भी है, जहाँ एक किशोर ने अपने कुछ मित्रों के साथ 'स्वराज्य' की शपथ ली, जिसकी कल्पना करना भी उस समय कठिन था। मुगलिया सल्तनत के अत्याचारों के चलते हिन्दू आत्म विस्मृत हो चला था। उसके मन में यह विचार ही आना बंद हो गया था कि यह भारत भूमि उसकी अपनी है। वह यहाँ मुगलों की चाकरी क्यों कर रहे हैं? देश में गो-ब्राह्मण, स्त्रियां और धर्म सुरक्षित नहीं रह गया था। हिन्दू समाज को इस अंधकार से बाहर निकालने और उसके मन में एक बार फिर आत्मगौरव की भावना जगाने का संकल्प शिवाजी महाराज ने लिया था। हम कह सकते हैं कि हिन्दवी स्वराज्य की संकल्पना का यहीं प्रथम उद्घोष हुआ।

प्रकृति के अनेकविध रूपों का दर्शन कराने वाले सह्याद्रि के रमणीय उतुंग शिखर पर स्वयंभू महादेव विराजे हैं। नानाप्रकार के पुष्पों के पौधे एवं लताएं, यहाँ सघन वन का सौंदर्य बढ़ाती हैं। विविध प्रकार के पक्षियों के कलरव से भी मन का आनंद बढ़ता है। सोच कर हैरान था कि एक किशोर अपने साथियों के साथ पुणे से इस दुर्गम पठार पर स्थित शिवालय में संकल्प के लिए आया। उस समय शिवाजी 15-16 वर्ष के किशोर थे। उनके साथ बारह मावल प्रांतों से कान्होजी जेधे, बाजी पासलकर, तानाजी मालुसरे, सूर्याजी मालुसरे, येसाजी कंक, सूर्याजी काकडे, बापूजी मुदगल, नरसप्रभू गुप्ते, सोनोपंत डबीर भी थे। वीर बालक शिवाजी ने स्वयंभू श्री रायरेश्वर महादेव के समक्ष इन सिंहसमान महापराक्रमी मावलों के मन को कुछ इस तरह झकझोरा होगा- 'मुगलों की पराधीनता हम कब तक सहेंगे? चंद जागीरों की खातिर हम कब तक धर्म पर घात होने देंगे? गो-ब्राह्मण और स्त्रियों पर अत्याचार आखिर कितने दिन तक सहते

रहेंगे? मैं अब यह सब नहीं सह सकता। मैंने एक संकल्प कर लिया है'। शिवाजी के ओजस्वी वाणी से मावलों में एक तरंग दौड़ गई होगी और उन्होंने कहा होगा कि महाराज अपनी इच्छा प्रकट कीजिए। जैसा आप कहेंगे, हम वैसा ही करेंगे। हाँ, हम वैसा ही करेंगे। मावलों के इस प्रकार के उत्तर से निश्चित ही महाराज उत्साहित हुए होंगे और उन्होंने कहा होगा, तो आओ, हम सब महादेव श्री रायरेश्वर के समक्ष प्रतिज्ञा करें कि 'हम अपना राज्य स्थापित करेंगे। अब से हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना ही हमारे जीवन का एकमात्र उद्देश्य होगा। हम सब प्रकार के कष्ट उठाएंगे, प्रत्येक परिस्थिति में हम एक-दूसरे का साथ देंगे। श्री रायरेश्वर को साक्षी मानकर हम प्रतिज्ञा करते हैं कि स्वराज्य की स्थापना के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर देंगे'। वीर शिवाजी ने 'हिन्दवी स्वराज्य' की संकल्पना में अपने साथियों के विश्वास को और पक्का करने के लिए कहा कि यह मेरी इच्छा नहीं है अपितु 'हिन्दवी स्वराज्य ही श्रींची इच्छा'। अर्थात् यह हिन्दवी स्वराज्य की इच्छा ईश्वर की इच्छा है। ओजस्वी वाणी के कंपन और शुभ संकल्प की ऊर्जा से शिवालय का वातावरण प्रेरक हो गया था। मावलों के मन में यह बात बैठ गई कि हिन्दवी स्वराज्य का सपना किसी एक शिवाजी का नहीं है, यह हम सबका सपना है और हम ईश्वरीय कार्य के काम आने वाले रणबांकुरे हैं। वीर बालक शिवा ने 26 अप्रैल 1645 को श्री रायरेश्वर महादेव का अभिषेक अपनी अंगुली के रक्त से करके हिन्दवी स्वराज्य के संकल्प के प्रति अपने समर्पण को प्रकट किया और महादेव का आशीर्वाद लिया। इस शपथ विधि के बारे में स्वयं शिवाजी महाराज ने ही 1645 में अपने एक राजमुद्रांकित पत्र में उल्लेख किया है। श्री रायरेश्वर में शंभुमहादेव के सामने कसम खाने की रोहिड़खोरे में पुरानी परिपाटी थी। अपनी श्रीशिव छत्रपति दुर्ग दर्शन यात्रा के दौरान जब हम अपने मित्रों के साथ श्री रायरेश्वर पहुंचे तो हमने भी हिन्दवी स्वराज्य की प्रतिज्ञा भूमि श्री रायरेश्वर के पवित्र प्रांगण में छत्रपति शिवाजी महाराज का पुण्य स्मरण कर, उसी दिव्य शिवलिंग के समक्ष प्रतिज्ञा की- 'मैं अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाऊंगा, पर्यावरण के संरक्षण हेतु तत्पर रहूँगा एवं दूसरों को भी आग्रह करूंगा, भोजन का एक कण भी व्यर्थ नहीं होने दूंगा, भारतीय उत्पादों के उपयोग को वरियता दूंगा, अन्याय का सदैव प्रतिकार करूंगा, भारतीय कालगणना का स्मरण करूंगा, देश का गौरव का बढ़े ऐसा काम करूंगा, भारतीय समाज के हित में कार्यरत रहते हुए निरंतर राष्ट्रधर्म का पालन करूंगा। भारत माता की जय। हिन्दू धर्म की जय। छत्रपति महाराज की जय'। हमने श्री रायरेश्वर महादेव से आशीर्वाद माँगा कि इस प्रतिज्ञा के निर्वहन का सामर्थ्य प्रदान करे। हिन्दवी स्वराज्य की प्रतिज्ञा की स्मृति को बनाए रखने के लिए श्री रायरेश्वर मंदिर के प्रथम मण्डप में एक बड़ा चित्र लगा है, जिसमें महादेव के समक्ष शिवाजी महाराज को अपने साथियों के साथ प्रतिज्ञा कर रहे हैं। गर्भगृह में आज भी वह शिवलिंग स्थापित है, जिनके समक्ष प्रतिज्ञा करके शिवाजी सोये हुए समाज को जगाने निकल पड़े थे। गर्भगृह में लघु आकार का दिव्य शिवलिंग प्रकाशमान है। यहाँ भी सामने की दीवार पर हिन्दवी स्वराज्य की प्रतिज्ञा को प्रदर्शित करता बड़े आकार का चित्र है। इस स्थान पर मन में अध्यात्म का भाव जगाने के साथ ही साहस देनेवाली ऊर्जा की अनुभूति होती है।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं ऑनलाइन गेम, इन पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है

देश दुनिया में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी गति से फलता फूलता जा रहा है। कोविड के बाद के हालातों खासतौर से ऑनलाइन स्टडी और वर्क फ्राम होम का एक दुष्प्रभाव यह सामने आया है कि युवा तो युवा बच्चे भी इसके जाल में फंसते जा रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव भी तेजी से सामने आने लगे हैं वहीं यह माना जा रहा है कि आने वाले सालों में इसके कारोबार में और तेजी से बढ़ोतरी होगी। ऑनलाईन गेमिंग में लोग ठगी के शिकार भी बहुत ज्यादा हो रहे हैं। ऐसे में यह गंभीर चिंता का विषय हो जाता है। लाख प्रयासों के बावजूद देश में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार थमना तो दूर की बात है बल्कि तीव्र गति से बढ़ता ही जा रहा है। पिछले एक साल में ही ऑनलाइन गेमिंग के मैदान में पांच करोड़ नए लोगों ने एंट्री ले ली है। 2021 में देश में ऑनलाइन गेम खेलने वालों की संख्या करीब 45 करोड़ थी जो 2022 में बढ़कर 50 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। यह अपने आप में चिंतनीय इसलिए भी हो जाता है क्योंकि युवा और क्या बच्चे इस ऑनलाइन गेम और गैम्बलिंग के जाल में फंसते जा रहे हैं। जानकारों की मानें तो कयास यह लगाया जा रहा है कि 2025 तक यह संख्या 50 करोड़ से 70 करोड़ तक पहुंच जाएगी। तस्वीर का नकारात्मक पहलू यह भी है कि ऑनलाइन गेमिंग के इस खेल में बच्चे तेजी से फंसते जा रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग व गैम्बलिंग के दुष्प्रभाव को जानते पहचानते भी प्रतिदिन नए लोग फंसते जा रहे हैं वहीं समाचारपत्रों के मुखपृष्ठ पर फुलपेज के विज्ञापन प्रमुखता से छपने लगे हैं तो सोशल मीडिया का भी इसको प्रमोट करने के लिए धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। 2016 में देश में ऑनलाइन गेमिंग का 54 करोड़ डॉलर का कारोबार था जो अब बढ़कर 2022 में 2 अरब 60 करोड़ डालर को पार कर गया हैं वहीं जानकारों की मानें तो इसके 2027 तक चार गुणा ग्रोथ के साथ 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल कोरोना के लॉकडाउन के दौर के बाद इसमें तेजी से विस्तार हुआ है। बच्चे जहां ऑनलाइन क्लासों के कारण इसकी चपेट में आ गए वहीं युवा लोग वर्क फ्रार्म होम के दौरान लुभावने विज्ञापनों के चक्कर में इसकी चपेट में आ गए हैं। देखा जाए तो उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग इसके दायरे

में अधिक हैं। दरअसल ऑनलाइन गेम एप संचलित करने वालों का दावा है कि वे तो कौशल विकास के लिए इस तरह के गेम चलाते हैं पर वास्तविकता तो यह है कि अधिकांश गेमिंग पोर्टल गैम्बलिंग यानी की जुआ ही हैं। और यह होती आई बात है कि एक बार जो जुआ या यों कहें कि गैम्बलिंग के चक्रव्यूह में फंस जाता है तो उससे निकलना बहुत मुश्किल भरा काम है। अधिकांश खेलों में जीतने वाले को जो पैसा दिया जाने का दावा किया जाता है वह नहीं मिलता और या तो कोई तकनीकी बाधा हो जाती है या फिर नंबर ब्लाक कर इस तरह के पोर्टल संचालित करने वाले पैसा हजम कर जाते हैं और इस तरह की गेमिंग में फंसने वाला अपने आप को ठगा हुआ महसूस करता है। यहां तक कि इसके चक्कर में युवा, बच्चे आदि अपनी बचत को तो खोते ही हैं साथ ही अनेक लोग कर्ज के जाल में और फंस जाते हैं। डिप्रेशन में आना और कुंठित व तनावग्रस्त होना तो सामान्य बात ही है। यही कारण है कि अधिकांश राज्य सरकारें ऑनलाइन गेमिंग पर रोक लगाने की पक्षधर हैं। ऑनलाइन गेमिंग के इस नेटवर्क का अंदाजा इसी से आसानी से लगाया जा सकता है कि एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में 900 गेमिंग कंपनियां कार्य कर रही हैं। नित नए गेम बनाकर उतार रही हैं। अकेले 2022 में ही 15 अरब नए गेम डाउनलोड किए गए। इससे स्वाभाविक रूप से अंदाज लगाया जा सकता है कि ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार कितना बड़ा और दिन दूनी रात चौगुनी गति से विस्तारित हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसे लोगों से इसका चस्का छूटना मुश्किल भरा काम है। इससे जुड़े लोग 24 घंटे में से 8 घंटे से भी अधिक का समय इस गेमिंग में खपा देते हैं। यह अपने आप में बड़ी बात है। आश्चर्य है कि इतना सबकुछ होने के बाद भी इस पर प्रभावी रोक के कोई सार्थक प्रयास नहीं हो रहे हैं। हालांकि तथाकथित कौशल वाले इन खेलों पर सरकार ने 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रखी है। पर यह कोई समस्या का समाधान नहीं है। हालांकि सरकारों की इच्छाशक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। यही कोई तीन दशक पहले कई राज्य सरकारों द्वारा लॉटरी चलाई जा रही थी। जो आते आते एक नंबर पर आ गई और इसका नेटवर्क इस कदर फैला हुआ था कि सरकारी दफ्तरों के बाहर तक टेबल कुर्सी पर सुबह से टिकटों की बिक्री शुरू होती थी जो दिन में लॉटरी खुलने तक जारी रहती थी। पर जब अति होने लगी, समाज बुरी तरह से प्रभावित होने लगा तो सरकार ने एक ही झटके में समूचे देश से लॉटरी व्यवस्था समाप्त कर दी और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए।

संक्षिप्त समाचार

गोवा में 90 फीसदी अपराधों को प्रवासी मजदूरों ने अंजाम दिया : मुख्यमंत्री सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दावा किया कि तटीय राज्य में करीब 90 फीसदी अपराध बिहार, उत्तर प्रदेश तथा अन्य इलाकों के प्रवासी मजदूरों ने अंजाम दिए हैं तथा उन्होंने ठेकेदारों से इन मजदूरों को काम पर रखने से पहले "लेबर कार्ड" लेने का अनुरोध किया। सावंत ने पणजी में एक मई को मजदूर दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में काम कर रहे प्रत्येक प्रवासी मजदूर के पास राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला लेबर कार्ड होना चाहिए। गोवा सरकार निजी, असंगठित तथा औद्योगिक क्षेत्रों में काम कर रहे श्रमिकों को लेबर कार्ड जारी करती है ताकि उनका रिकॉर्ड रखा जा सके। सावंत ने कहा कि मजदूरों की जानकारियों पर नजर रखना आवश्यक है क्योंकि "गोवा में अपराध को अंजाम देकर प्रवासी मजदूर अक्सर अपने राज्य लौट जाते हैं तथा उन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाता है।

निकाय चुनाव मतदान से 48 घंटे पहले सील कर दी जाएगी भारत-नेपाल सीमा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर नेपाल से सटी भारत की सीमा मतदान से 48 घंटे पहले यानी मंगलवार को सील कर दी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी सतेन्द्र कुमार ने यहां संवाददाताओं को बताया कि नेपाल से सटी भारत की सरहद पर आवाजाही के सभी रास्ते दो मई की शाम को बंद कर दिये जाएंगे, जो चार मई की शाम तक बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि सिर्फ आपात स्थिति में ही वाहनों को सीमा पार करने की इजाजत दी जाएगी। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को सीमा सील करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि निकाय चुनाव के लिए मतदान से 48 घंटे पहले सीमा सील करने का फैसला हाल में भारत और नेपाल के अधिकारियों की बैठक में लिया गया था। कुमार ने बताया कि इस वक्त अर्द्धसैनिक बल, पुलिस और विभिन्न खुफिया एजेंसी भारत-नेपाल सीमा पर हो रही हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रही हैं।

डिफॉल्टर हो सकता है सुपरपॉवर देश अमेरिका, वित्त मंत्री की चेतावनी के बाद बाइडेन को बुलानी पड़ी बैठक

वॉशिंगटन।संयुक्त राज्य अमेरिका वित्तीय संकट का सामना कर रहा है और देश की वित्त मंत्री ने चेतावनी दी है कि सुपरपॉवर मुल्क दिवालिया हो सकता है। ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने चेतावनी दी है कि सरकार के पास 1 जून तक अपने बिलों का भुगतान करने के लिए नकदी खत्म हो सकती है। इस खबर के कारण राष्ट्रपति जो बाइडेन को शीर्ष चार कांग्रेस सदस्यों के साथ बैठक बुलानी पड़ी। रिपोर्ट के अनुसार नए अनुमान ने अमेरिका के डिफॉल्ट के जोखिम को बढ़ा दिया है जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। देश पर आए इस संकट के बाद वॉशिंगटन में भारी हलचल मच गई है और ऋण सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन नेताओं के बीच लंबी बातचीत होने की उम्मीद है।

लंदन से मोदी सरकार का पाकिस्तान को सीधा संदेश, पीओके वापस लेना हमारा मुख्य एजेंडा

कारांची। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के दौरे से पहले पीओके को लेकर भारत ने नया ऐलान कर दिया है। जिससे पाकिस्तान भी खौफ में नजर आ रहा है। हिन्दुस्तान ने दो टूक कह दिया है कि हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को एकजुट करेंगे। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर अपना रुख दोहराते हुए कहा कि है कि कब्जे वाले क्षेत्र की वापसी उसके एजेंडे में बहुत अधिक है और यह एक होगा दिन पीओजेके को भारत संघ के साथ एकजुट करेंगे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह यूनाइटेड किंगडम की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। जहां से उन्होंने पाकिस्तान के होश उड़ाने वाला ये ऐलान किया है।

लंदन में रहने वाले जम्मू-कश्मीर मूल के छात्रों और सामाजिक समूहों के साथ एक बैठक में केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार संभालने के बाद उन्होंने 1947 के बाद विभिन्न सरकारों द्वारा अतीत में की गईं कई गलतियों को ठीक करने की कोशिश की है। ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर गए सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू-कश्मीर के लोगों में अपनेपन की भावना पैदा हुई है और उन्हें देश के बाकी हिस्सों में अपने समकक्षों के बराबर अधिकार मिले हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि पीओके का मुद्दा कभी नहीं उठता अगर तत्कालीन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल को इस क्षेत्र को उसी तरह संभालने की अनुमति दी होती जिस तरह से वो अन्य रियासतों को संभाल रहे थे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा पाकिस्तान के नियंत्रण से अवैध रूप से कब्जे वाले पीओजेके को वापस लेने और इसे भारत में वापस लाने के लिए यह प्रधान मंत्री मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के एजेंडे में है।

इंडिया को ब्लैकलिस्ट करें, अमेरिकी पैनल ने फिर भारत की धार्मिक स्वतंत्रता पर उठाए सवाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता आयोग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत की सरकार को धार्मिक ब्लैकलिस्ट में जोड़ने की सिफारिश की है, जहां धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याधिक प्रताड़ना करने वाले मुल्कों को रखा जाता है। अपनी वार्षिक रिपोर्ट में, अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राज्य आयोग ने फिर से अमेरिकी विदेश विभाग से भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित करने का आह्वान किया। स्वतंत्र पैनल ने 2020 से पदनाम के लिए अपील की है। निकाय ने कहा कि भारत सरकार ने 2022 में राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर धार्मिक रूप से भेदभावपूर्ण नीतियों को बढ़ावा दिया और लागू किया। इनमें 'धर्म परिवर्तन को लक्षित करने वाले कानून, अंतर्धार्मिक संबंध, हिजाब पहनने और गोहत्या शामिल हैं, जो मुसलमानों, ईसाई, सिख, दलित और आदिवासी (स्वदेशी लोग और अनुसूचित जनजाति) को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भारत ने पूर्व में तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत करने के लिए यूएससीआईआरएफ की आलोचना की है। भारत ने इसे विशेष चिंता का संगठन भी बताया है।

भारत-रूस की दूरी और होगी कम अफगानिस्तान उठाने जा रहा बड़ा कदम

काबूल (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्षेत्रीय संपर्क स्थापित करने और देश के माध्यम से क्षेत्रीय पारगमन और स्थानान्तरण को बढ़ाने के लिए 'बड़े पैमाने पर' रेलवे नेटवर्क स्थापित करने की योजना बना रहा है। मजार-ए-शरीफ-हेरात-कंधार रेलवे परियोजना के रूप में बिल की गई महत्वाकांक्षी योजना को देश के आर्थिक आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसे घरेलू राजस्व के साथ पूरा किया जाएगा। इस बात की जानकारी आर्थिक मामलों के लिए उप प्रधान मंत्री के कार्यालय की ओर से दी गई है। हालांकि, इसमें परियोजना की अनुमानित लागत का जिक्र नहीं था। जानकारी के मुताबिक 1,468 किलोमीटर लंबा (912 मील) नेटवर्क, जो नौ अफगान प्रांतों के 37 जिलों से होकर गुजरेगा। इसमें 800 गांव होंगे। इसका उद्देश्य अफगानिस्तान के माध्यम से पूर्वी एशिया को ईरान, तुर्की और यूरोप से जोड़ना है। इसका फायदा भारत को भी होने जा रहा है। अफगानिस्तान के माध्यम से मास्को और नई दिल्ली के बीच दूरी और कम हो जाएगी। अफगानिस्तानसबसे छोटा और सबसे किफायती मार्ग बना रहा है। बताया गया है कि रूस और मध्य एशिया को दक्षिण एशिया और अफगानिस्तान के माध्यम से समुद्री बंदरगाहों से जोड़ना भी इसमे शामिल है। अफगानिस्तान को ईरान के चाबहार और बंदर अब्बास बंदरगाहों और पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाह से जोड़ना है। बयान के अनुसार, परियोजना दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में, मजार-ए-शरीफ-हेरात खंड लगभग 657 किमी (408 मील) तक फैला होगा, जबकि दूसरा खंड हेरात से शुरू होकर निमरोज, फराह, हेलमंड और कंधार से गुजरते हुए और स्पिन बोल्डक पर समाप्त होगा। इसकी 811 किमी (504 मील) की लंबाई है।

शरद पवार ने एनसीपी अध्यक्ष पद छोड़ने का किया ऐलान, समर्थन में हुई नारेबाजी

मुम्बई। महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर आ रही है। एनसीपी प्रमुख और देश के वरिष्ठ नेताओं में से एक शरद पवार ने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। पवार ने यह भी कहा कि मैंने कई साल तक पार्टी का नेतृत्व किया है। लेकिन अब अध्यक्ष पद पर नहीं रहना है। अब पार्टी के नेताओं को आगे तय करना है कि अब उनका नेतृत्व कौन करेगा। पवार देश के शीर्ष विपक्षी नेताओं में से एक हैं और महाराष्ट्र में महा विकास अघडी सरकार बनाने के लिए शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के बीच एक साथ गठबंधन करने में उनकी बड़ी भूमिका थी।

हालांकि, पार्टी कार्यकर्ता ये बात सुनने के साथ ही शरद पवार के समर्थन में नारेबाजी करने लगे। पवार ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह राजनीति से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथियों, भले ही मैं अध्यक्ष पद से हट रहा हूं, लेकिन मैं सार्वजनिक जीवन से सेवानिवृत्त नहीं हो रहा हूं।' पवार का कहना है कि पार्टी प्रमुख के पद की जिम्मेदारी किसे दी जाए, यह तय करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। जैसे ही दिग्गज नेता ने अपने फैसले की घोषणा की, सभागार में राकांपा कार्यकर्ताओं ने मांग की कि पवार अपना फैसला वापस लें, जब तक वे ऐसा नहीं करते, वे सभागार से बाहर नहीं जाएंगे।

प्रेमी के साथ मिलकर मां ने दो बेटियों समेत चार बच्चों को लावारिस छोड़ा

इंदौर। एक जोड़ा दो लड़कियों समेत चार बच्चों को रविवार रात लावारिस छोड़कर गायब हो गया। पुलिस इस जोड़े की तलाश कर रही है जिसमें बच्चों की मां शामिल है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। संयोगितागंज पुलिस थाने के प्रभारी तहजीब काजी ने बताया कि चारों बच्चे शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय के सामने रविवार रात लावारिस हालत में बिलखते मिले। उन्होंने बताया कि इन बच्चों में दो वर्षीय बालक, चार वर्षीय बालक, छह वर्षीय बालिका और आठ वर्षीय बालिका शामिल हैं। थाना प्रभारी के मुताबिक बच्चों ने पुलिस को बताया कि वे बड़वानी जिले के रहने वाले हैं और उनकी मां और एक व्यक्ति यह कहकर उन्हें लावारिस छोड़ गए कि वे थोड़ी देर में खाना लेकर आते हैं।

श्री कृष्ण जन्म भूमि-ईदगाह मामला में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला, नए सिरे से सुनवाई के आदेश

मथुरा (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड और शाही ईदगाह ट्रस्ट, मथुरा द्वारा दायर दो अलग-अलग याचिकाओं का निस्तारण किया, जिसमें मथुरा के जिला न्यायाधीश के 19 मई, 2022 के आदेश को चुनौती दी गई थी। सभी पक्षकारों को मथुरा के जिला जज के यहां नए सिरे से अपनी दलीलें पेश करनी होगी।

ईदगाह ट्रस्ट और वक्फ बोर्ड ने जिला न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसके बाद इस पर रोक लगा दी गई थी। लीलों का निस्तारण करते हुए, न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने सिविल सूट संख्या को स्थगित करने के निर्देश के साथ मामले को ट्रायल कोर्ट में वापस भेज दिया। मुकदमा दायर किए जाने के समय दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) ने इस वाद को दीवानी मुकदमा के तौर पर दर्ज नहीं किया बल्कि इसे विविध मामले के तौर पर दर्ज किया जिसका आधार यह था कि वादी संख्या 3 से 8 मथुरा के निवासी नहीं हैं, जबकि प्रश्नगत संपत्ति जिला मथुरा में स्थित है। मथुरा की अदालत के फैसले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि इस वाद को अब वर्ष 2022 के मुकदमा संख्या 353 के तौर पर दर्ज किया गया है।

हमें सरकार नहीं साहेब चाहिए, 31 साल पहले बाल ठाकरे ने भी इस्तीफे की पेशकश कर हर किसी को कर दिया था हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शरद पवार ने मंगलवार को अपनी घोषणा से हर किसी को चौंका दिया। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है और भविष्य में चुनाव नहीं लड़ेंगे। शरद पवार ने कहा कि राज्यसभा में मेरा तीन साल का कार्यकाल बाकी है। मैं आगे से चुनाव नहीं लडूंगा। मैंने अपना राजनीतिक जीवन 1 मई, 1960 को शुरू किया था। कल हमने मई दिवस मनाया। इतने लंबे राजनीतिक करियर के बाद कहीं रुकने के बारे में सोचना चाहिए। इसके साथ ही पवार ने सिफारिश की कि भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए राकांपा के वरिष्ठ नेताओं की एक समिति बनाई जाए। समिति में प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, पीसी चाको,

नरहरि जिरवाल, अजीत पवार, सुप्रिया सुले, जयंत पाटिल, छगन भुजबल, दिलीप वलसे-पाटिल, अनिल देशमुख, राजेश टोपे, जितेंद्र अवध, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, जयदेव गायकवाड़ और पार्टी फ्रंटल सेल के प्रमुख शामिल होंगे।

कुछ ऐसा ही वाकया 30 साल पहले यानी 1992 में हुआ था। उस वक्त शिव सेना के सुप्रिमो बाल ठाकरे ने भी इस्तीफे की पेशकश कर हर किसी को हैरान कर दिया था। बाल ठाकरे ने पार्टी के मुखपत्र सामना में लिखा था, 'अगर एक भी शिवसैनिक मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ खड़ा होकर कहता है कि मैंने आपकी वजह से शिवसेना छोड़ी या आपने हमें चोट पहुंचाई, तो मैं एक पल के लिए भी शिवसेना प्रमुख के रूप में बने रहने के लिए तैयार नहीं हूं। काडर और सरकार पर अपनी पकड़ साबित करने के लिए बाल ठाकरे ने ऐलान किया था कि मैं शिवसेना छोड़ रहा हूं। वहीं शिवसेना जिसे साठ के दशक से उन्होंने सींचा था, खड़ा किया था। लेकिन इसके बाद वह और मजबूत होकर उभरते हैं। मंत्री, पार्षद सब सुप्रीमो के पीछे और सबकी जुबान पर एक ही नारा कि हमें सरकार नहीं साहेब चाहिए।

शरद पवार के इस्तीफे के ऐलान के बाद एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि पार्टी के नेताओं ने उनसे 'हाथ जोड़कर' अपना फैसला बदलने का अनुरोध किया है। राज्य एनसीपी प्रमुख जयंत पाटिल ने भावुक होकर कहा कि पार्टी उनके बिना कार्य करने में असमर्थ होगी। उनका शीर्ष पर बने रहना न केवल राज्य के लिए बल्कि देश के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह अचानक फैसला नहीं लिया जा सकता, उन्हें ऐसा फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है।

अनाज की बोरियों की तरह बकरियों को चलते ट्रक से फेंका, चोरों की क्रूरता देखकर हैरान हुए यूजर्स

नई दिल्ली।हाईवे पर चलते ट्रक से बकरियां चुराने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार से वायरल हो रहा है। 23 सेकंड के इस वीडियो को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स हैरान रह गए हैं। वीडियो में, चोर हाईवे पर चलते हुए एक ट्रक में बकरियों को रोड पर फेंकता नजर आ रहा है। चोर ने एक-एक कर बड़ी ही क्रूरता से आठ बकरियों को ट्रक से नीचे फेंका। फिर ट्रक के पीछे चल रही नीले रंग की गाडी के बोनट पर उतर गया। बकरियां चुराने की ये पूरी घटना चोरों की गाड़ियों के पीछे आ रही एक कार के ड्राइवर ने अपने फ़ोन में रिकॉर्ड कर ली, जो सोशल मीडिया पर

वायरल हो रहा है। बकरियां चुराने के इस वीडियो को 30 अप्रैल को ट्विटर पर शेयर किया गया। वीडियो शेयर करने वाले ने कानपूर और लखनऊ हाईवे बताया। उसने कैप्शन में लिखा, 'ये कोई फिल्मी सीन नहीं है, क्कानपुर-क्कलखनऊ हाइवे पर चलते ट्रक से कार सवार कर रहे बकरे चोरी।' इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्नाव पुलिस के आधिकारिक ट्विटर से इस पोस्ट पर रिप्लाई किया गया। उन्नाव पुलिस ने साफ किया कि ये वीडियो उन्नाव से संबन्धित नहीं है। पुलिस ने ट्वीट में लिखा, 'उपरोक्त वीडियो जनपद उन्नाव से संबन्धित न होकर महाराष्ट्र के इगतपुर घोटी रोड से संबन्धित है। कृपया बिना पुष्टि के भ्रामक पोस्ट न करें।'

यूक्रेन ने किया हिंदू देवी का अपमान, रूस ने बरसा दिए सैकड़ों मिसाइल! मांगनी पड़ी माफी

कीव। यूक्रेन ने कैसी हरकत की है जिसे माफ नहीं किया जा सकता। जंग से तबाह हो चुके यूक्रेन का दिमाग इतना खड़ा हो चुका है कि उसने पागलपन में हिंदू देवी मां काली का अपमान कर दिया है।

यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने मां काली पर एक आपत्तिजनक ट्वीट किया। यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने अपने ट्वीट में एक तरफ बम धमाके से पैदा हुए धुएं को दिखाया, वहीं उसके साथ धुएं पर मां काली की तस्वीर लगा दी। यूक्रेन की बेशर्मी देखिए कि उसने आपत्तिजनक ट्वीट को वर्क ऑफ आर्ट कहा है। यानी कला के नाम पर हिन्दू देवी का अपमान करते हुए यूक्रेन ने सारी हदें पार कर दी हैं। हिंदूफोबिक कार्टून के लिए क्षमा मांग ली है। यूक्रेन की तरफ से कहा गया कि हमें खेद है रक्षा मंत्री ने हिंदू देवी काली को विकृत तरीके से चित्रित किया। यूक्रेन और इसके लोग अद्वितीय भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हैं और भारत के समर्थन की अत्यधिक सराहना करते हैं। उस चित्र को पहले ही हटा दिया गया है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के इस ट्वीट के बाद से सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर गुस्सा जाहिर किया था। बता दें कि यही कलाकारी अगर यूक्रेन भारत के अलावा किसी खास मजहब के खिलाफ कर देता तो रूस के अलावा 57 मुस्लिम देश भी यूक्रेन पर हमला कर देते। लेकिन हिन्दू धर्म का अपमान करना तो एक फैशन बन गया है। भारतीय लोगों को यूक्रेन का ये अपमान बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। भारतीय लोगों ने सोशल मीडिया पर भी यूक्रेन की धज्जियां उड़ानी शुरू कर दी। बवाल बढ़ता देख यूक्रेन को ये ट्वीट डिलीट करने पड़ा। एक यूजर ने लिखा कि मां काली यूक्रेन की इस वर्क ऑफ आर्ट वाली इच्छा को जरूर पूरा करेंगी। तुमने जो धमाका दिखाया है वो तुम्हें मिलेगा।

भाजपा की यह सरकार चोरी की' राहुल का सवाल-पीएम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या किया?

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। पार्टी के लिए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी लगातार प्रचार कर रहे हैं। आज राहुल गांधी ने कर्नाटक में चुनावी सबा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी कर्नाटक के गृह मंत्री का नाम कभी नहीं लेते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसके दो कारण हैं। एक कारण ये है कि मोदी जी सिर्फ नरेंद्र मोदी की बात करते हैं। जैसे कर्नाटक में चुनाव हो रहा है तो बाकि लोग कर्नाटक की जनता की, विकास, भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं लेकिन नरेंद्र मोदी जी कर्नाटक में आकर सिर्फ मोदी की बात कर रहे हैं।

1971 युद्ध में हार के बाद आए थे जुल्फिकार, अब 52 साल बाद बिलावल की यात्रा के क्या हैं मायने?

काबूल (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की बात आती है तो भूलने की बीमारी मददगार होती है। 4-5 मई को गोवा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के संभावित आगमन को लेकर बेतुकी उम्मीदों का माहौल है। एससीओ में भारत शामिल है, वर्तमान में उस समूह का अध्यक्ष जिसकी क्षमता में वह शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। चीन, एक ऐसा देश जिसके साथ एलएसी के हालिया घटनाक्रमों को लेकर और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा अन्य प्रकार की आक्रामकता पर संबंध तनावपूर्ण हैं। रूस, जो यूक्रेन के साथ गंभीर युद्ध में है और जैसे परमाणु बटन पर अपनी उंगली रखे बैठा है। खजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ऐसे देश जिन्हें बहुत से लोग नक्शे में भी इंगित करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। भारत और पाकिस्तान संगठन में नए हैं और यदि आप संबंधों की गतिशीलता की जटिलताओं को देखते हैं, तो यह वैध रूप से एक चमत्कार माना जा सकता है कि वे मिल रहे हैं।

पर्यवेक्षकों के रूप में टैग किए

गए समूह में शामिल होने के लिए दस्तक देने के लिए चार देश अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया और छह से अधिक देश अजरबैजान, आर्मेनिया, कंबोडिया, नेपाल, तुर्की और श्रीलंका को संवाद भागीदार का दर्जा प्राप्त है। भारत और पाकिस्तान संगठन में नए हैं और यदि आप संबंधों की गतिशीलता की जटिलताओं को देखते हैं, तो इसे वैध रूप से एक चमत्कार माना जा सकता है कि वे मिल रहे हैं। इसलिए यह थोड़ा सा असंभव है कि गोवा बैठक के बाद एससीओ अचानक अंतर्राष्ट्रीय कानून की सर्वोच्चता, मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र चार्टर के आधार पर उभरती हुई अधिक प्रतिनिधि विश्व व्यवस्था का एक स्तंभ बन जाएगा। 1971 के युद्ध में भारत को करारी हार के बाद भुट्टो के दादा, जुल्फिकार अली चौदह साल के सैन्य शासन की छाया से उभर कर पाकिस्तान के नवोदित लोकतंत्र के अग्रदूत के रूप में भारत आए। विशेष रूप से शिमला, जहाँ उन्होंने शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए। इंदिरा गांधी के साथ बिलावल की मां बेनजीर अपने पिता जुल्फिकार के साथ यात्रा पर गईं, जहां उनके पिता ने एक समझौता किया, जिसे पाकिस्तान में बिकाऊ माना गया।

कर्नाटक चुनाव से पांच दिन पहले बिलावल का गोवा आगमन, द्विपक्षीय टूटने की उम्मीदों को कोई राहत नहीं देता है। एससीओ बैठक द्विपक्षीय संबंधों के बारे में नहीं बल्कि सभी द्विपक्षीय संबंधों के योग के बारे में है। चुनाव के समय पाकिस्तान को एक पंचिंग बैग के रूप में जाना जाता है, जो मुक्का खाता है लेकिन खुले तौर पर रिटर्न नहीं देता है। बिलावल ऐसे समय में आए हैं जब पाकिस्तान की कथित स्थिति यह है कि जब तक 2019 में धारा 370 को निरस्त नहीं किया जाता है, तब तक भारत के साथ कोई गंभीर द्विपक्षीय संबंध नहीं हो सकता है।

रवीना ने कहा-फिल्म इंडस्ट्री वाले टीवी और ओटीटी से सीखें,जहां महिलाओं को अच्छे पैसे मिलते हैं

मुम्बई। रवीना टंडन ने 'मन की बात' कार्यक्रम में बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर फर्क की बात कही है। उन्होंने कहा- फिल्म इंडस्ट्री एक मेल डोमिनेटिंग इंडस्ट्री रही है लेकिन अब बदलाव आए हैं और टीवी इंडस्ट्री में आज महिलाओं को उनके काम की वजह से उनके पुरुष कलाकारों से ज्यादा भुगतान किया जाता है। रवीना टंडन ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 100 कड़ी पूरे होने के अवसर पर बॉलीवुड में एक्टर और एक्ट्रेस के बीच के फर्क को लेकर बातें कीं। रवीना ने कहा कि महिलाओं ने कैमरे के आगे और कैमरे के पीछे दोनों ही मोर्चों पर पुरानी धारणाओं को तोड़ने का काम किया है और पुरुष प्रधान सभी क्षेत्रों में अपनी जगह बनाई है। साल 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय का जलवा बिखेरने वाली रवीना टंडन ने कहा कि फिल्म उद्योग को टीवी और ओटीटी (ओवर दी टॉप) मंचों से सीखना चाहिए जहां महिलाओं को अच्छा पैसा मिलता है और महिला प्रधान कार्यक्रमों का निर्माण भी किया जाता है। उन्होंने कहा, 'हम महिलाओं के मेहनताने में भेदभाव के बारे में बात करते हैं लेकिन टीवी इंडस्ट्री में आज महिलाओं को उनके काम की वजह से उनके पुरुष कलाकारों से ज्यादा भुगतान किया जाता है जो अच्छी चीज है और मैं समझती हूं कि टीवी उद्योग में महिलाएं राज करती हैं। ओटीटी मंच पर भी अधिकतर महिला प्रधान और महिलाओं के विषय पर कार्यक्रम होते हैं।' यहां 'नारी शक्ति' सेशन को संबोधित करते हुए 48 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा, 'फिल्म उद्योग में हम धीरे-धीरे लेकिन पक्के तौर पर इस दिशा में बढ़ रहे हैं क्योंकि शुरुआत से ही यह एक मेल डोमिनेटिंग इंडस्ट्री रही है लेकिन निश्चित रूप से इसमें कुछ बदलाव आए हैं।' टंडन ने कहा कि प्रतिनिधित्व और फीस में भेदभाव जैसे मुद्दे उद्योग में अब भी बने हुए हैं, लेकिन ऊंचे पदों पर महिलाओं के आने के साथ इसमें बदलाव आने लगा है। एक्ट्रेस ने कहा, 'आज की दुनिया में बदलाव आ रहा है क्योंकि सभी टॉप पोजिशन पर जैसे कि निर्देशन या फोटोग्राफी, हमारी कोरियोग्राफर, निर्देशक, निर्माता, मंच की प्रमुख और चैनल प्रमुख सभी महिलाएं ही हैं।' 'पद्म श्री' से सम्मानित एक्ट्रेस ने कहा, 'इसलिए जो अवसर हमें मिलने चाहिए, अब हमें मिल रहे हैं। निर्माता के तौर पर एक महिला इन मुद्दों को समझती है, वह इस संवेदनशीलता को समझती है। उसमें वह समझ होती है इसलिए हमें अधिक अवसर मिल रहे हैं।' फिल्म 'दमन', 'मातृ' और 'अरण्यक' जैसी वेब सीरीज के लिए मशहूर टंडन ने कहा कि 90 के दशक में हिंदी सिनेमा की एक्ट्रेसेस को अपनी छवि को तोड़ने के लिए काफी जूझना पड़ता था। अब फिल्म इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है जो 90 के दशक में नहीं था। आपको सिर्फ एक खास किस्म की छवि वाली भूमिकाएं निभानी पड़ती थीं।' रवीना ने 2001 की फिल्म 'दमन' में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था जो वैवाहिक बलात्कार का शिकार होती है। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्मी जर्नी उन सामाजिक मुद्दों का आईना हैं जिनका वह समर्थन करती हैं। टंडन ने कहा कि घरेलू हिंसा और वैवाहिक बलात्कार जैसे मुद्दे छिप जाते हैं और कल्पना लाजमी निर्देशित 'दमन' जैसी फिल्म की कहानी लाने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'उस वक्त मुझे कोई स्वीकार्यता नहीं मिली और मैंने काफी संघर्ष किया लेकिन फिल्म ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता क्योंकि यह समय से काफी पहले की फिल्म थी। आज 23 साल बाद भी हम इस पर (वैवाहिक बलात्कार पर) बात कर रहे हैं।' एक्ट्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रसार भारती को मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम के 100 कड़ी पूरे होने पर बधाई दी जो 30 अप्रैल को प्रसारित होने वाला है। 'मन की बात' कार्यक्रम को भारतीयों से रेडियो के जरिए जुड़ने को एक 'बेहतरीन विचार' करार देते हुए टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल देश के गुमनाम नायकों को सबकी नजर में ले आती है जिनके प्रयास अक्सर मुख्यधारा की मीडिया में रिपोर्ट नहीं हो पाते हैं।

कृति सेनन ने इकोनॉमी क्लास में किया ट्रेवल, सादगी की तारीफ करने वाले फैंस को यूजर्स ने लताड़ा

मुम्बई। बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार कृति सेनन काफी लंबे समय से सोशल मीडिया पर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। पहले उनकी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' से जुड़े विवाद की वजह से वह चर्चा में आई। इसके बाद अपने को-स्टार और अभिनेता प्रभास के साथ डेटिंग की अफवाहों की वजह से अभिनेत्री लाइमलाइट में रहीं। अब कृति इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए है, जो काफी ज्यादा वायरल हो रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कृति सेनन इंडिगो एयरलाइन की इकोनॉमी क्लास में एंट्री करती नजर आ रही हैं। दूसरे वीडियो में अभिनेत्री फ्लाइट में एक बच्चे के साथ खो लता दिखाई द रही है। दोनों वीडियो के सामने आते ही लोगों ने अभिनेत्री की तारीफ़ करना शुरू कर दिया। फैंस ने अभिनेत्री की सादगी की तारीफ़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं बहुत से यूजर कृति को जमकर ट्रोल करते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं यूजर्स ने अभिनेत्री के इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने पर हैरानी भी जताई है। इसके अलावा कुछ यूजर्स ने कृति की तारीफ़ करने वाले लोगों को लताड़ लगाते हुए लिखा कि वह इकोनॉमी क्लास में इसलिए ट्रेवल कर रही हैं क्योंकि इंडिगो में बिजनेस क्लास नहीं होती है। कृति सेनन इंदौर में दैनिक भास्कर का एक इवेंट अटेंड करने जा रही थी। इस इवेंट की भी कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में अभिनेत्री अपने सुपरहिट गाने 'परम सुंदरी' पर फैंस के साथ डांस करती नजर आ रही है। इस दौरान कृति एक सफ़ेद रंग की वन पीस ड्रेस पहने हुए दिख रही है, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री का नो मेकअप लुक यकीनन लोगों को आकर्षित करने वाला है।

शहनाज गिल का मजेदार वीडियो वायरल, चाइना वालों को दिया चाइनीज़ में मुहतोड़ जवाब

मुम्बई। मशहूर कंटेस्टेंट शहनाज गिल ने अपने जलवे से इस सीजन को सुपरहिट बना दिया। शो में शहनाज गिल को लोग सबसे ज्यादा पसंद करते थे। बिब बॉस तो शहनाज न जीत सकीं लेकिन शहनाज की ख्वाहिश थी कि अगर वो शो नहीं जीतती तो सिद्धार्थ शुक्ला ये शो जीते, हुआ भी कुछ ऐसा ही। शहनाज को बिग बॉस के बाद कलर्स वालों ने नया शो ऑफर किया। शो का नाम शा मुझसे शादी करोगी। इसमें पारश छाबड़ा को अपने लिए दुल्हन और शहनाज को अपने लिए दुल्हा चुनना था। शो समय से पहले बंद हो गया। शहनाज गिल लगातर अपने नये गाने और सोशल मीडिया पर वीडियों को शेयर करके लॉकडाउन में भी सुखिऱ्या बटौर रही हैं। हाल ही में पंजाब की कैटरीना कैफ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसे देख कर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। कोरोना के कारण घर में कैद हुई शहनाज गिल भी अब काफी परेशान हो गई है। उन्होंने अपना

गुस्सा चाइना वालों पर निकाला है। कोरोना चीन से आया है इस लिए वीडियो में शहनाज गिल के निशाने पर चीन है। शहनाज गिल वीडियो में कहती है कि ये क्या कर डाला चीन ने... फिर वह चाईनीज में न जाने क्या बोल जाती है जो शायद चीन के लोगों को भी पसंद न आये। भले ही शहनाज ने कुछ भी बोला हो लेकिन शहनाज का ये वीडियो लोग काफी पसंद कर रहे हैं और देख कर एंजोय कर रहे हैं। शहनाज के फैंस वीडियो पर काफी कमेंट भी कर रहे हैं। आपकों बता दे कि शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला की दोस्ती बिग बॉस में काफी मशहूर हुई थी। शहनाज को शो से बाहर आने के बाद मुझसे शादी करोगी शो के दौरान रियलाइज हुई की वह सिद्धार्थ शुक्ला को प्यार करती है। उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला से अपने प्.ार का इजहार नेशनल टीवी पर किया था।

आर्या 3 के सेट पर लौट आयी सुष्मिता सेन हार्ट सर्जरी के बाद करती दिखी तलवारबाजी

मुम्बई। सुष्मिता सेन 47 साल की हो चुकी हैं और खूबसूरती-फिटनेस के मामले में उन्हें टक्कर देना आज भी मुश्किल हैं। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में ज्यादा फिल्में नहीं की लेकिन जिसमें भी उन्होंने काम किया उसमे उन्होंने अपनी धाक छोड़ी हैं। ओटीटी के बढ़ते क्रेस के साथ ही सुष्मिता सेन ने वेब सीरीज आर्या से अपना वेब डेब्यू किया। आर्या सुपरहिट हुई और उसके बाद उसकी अगले सीजन आने लगे। अब आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही थी। शूटिंग के दौरान ही सुष्मिता सेन को दिल का दौरा पड़ा था जिसके बाद उनके दिल की सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद कुछ समय उन्होंने आराम किया और फिर से अपने काम की शुरूआत की। फिल्म ताली की शूटिंग के बाद अब सुष्मिता सेन आर्या 3 के सेट पर लौट आयी हैं।

दिल की सर्जरी से उबरने के बाद सुष्मिता सेन ने आर्या 3 की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया है जहां वह तलवारबाजी का अभ्यास करते हुए अपने भीतर के उग्र रूप को दिखाती देखी जा सकती हैं। सीजन 3 की शूटिंग जयपुर में शुरू हो रही है। आर्या 3 पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन द्वारा सुर्खियों में है, जिनके लिए सीजन 1 पांच साल के ब्रेक के बाद विजयी वापसी थी। अभिनेत्री आर्या सरीन की भूमिका निभा रही हैं, एक उग्र माँ जिसे अपने परिवार को अपराध की दुनिया से सुरक्षित रखना है। पहले सीज़न को इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज़ के लिए नामांकित किए जाने के बाद, अभिनेत्री ने आखिरकार जयपुर में तीसरे सीज़न की शूटिंग शुरू कर दी है। अपने उग्र चरित्र की एक झलक देते

हुए, अभिनेत्री ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अपने तलवारबाजी कौशल का प्रदर्शन करती देखी जा सकती हैं। वह हाल ही में शो की शूटिंग फिर से शुरू करने के लिए जयपुर के लिए उड़ान भरी थी, जब पिछले महीने उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था।

सुष्मिता ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'वो मतलबी है। वह निडर है। वह वापस आ गयी। आर्या सीजन 3 की शूटिंग फिर से शुरू।' राम माधवानी और संदीप मोदी द्वारा निर्मित, डिज्नी हॉटस्टार शो लोकप्रिय डच क्राइम-ड्रामा पेनोज़ का आधिकारिक रीमेक है, जो एक मध्यम आयु वर्ग की महिला और उसके परिवार को बचाने के संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है।

सुष्मिता सेन को फरवरी के अंत में दिल का दौरा पड़ा था। अभिनेत्री ने मार्च में अपनी एंजियोप्लास्टी के बाद खबर साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। उन्होंने लिखा था, 'मुझे कुछ दिन पहले दिल का दौरा पड़ा। एंजियोप्लास्टी हुई। स्टेंट लगा है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे हृदय रोग विशेषज्ञ ने फिर से पुष्टि की 'मेरा दिल बड़ा है' बहुत से लोग समय पर सहायता और रचनात्मक कार्रवाई के लिए धन्यवाद देते हैं। आर्या 3 के अलावा, सुष्मिता सेन ताली में भी नजर आएंगी, जहां अभिनेत्री ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता गौरी सावंत की भूमिका निभाएंगी।

'तू चीज बड़ी है मस्त के बाद हम चीज बड़ी हई मस्त का दीवाना हुआ इंटरनेट

नई दिल्ली। 90 के दशक में अक्षय कुमार और रवीना टंडन स्टारर फिल्म मोहरा का गाना तू चीज बड़ी है मस्त ने धमाल मचा दिया था। मगर अब इस गाने का भोजपुरी वर्जन 'हम चीज बड़ी हई मस्त' भी आ गया है, जिसमें निशा दुबे और एक्शन किंग विशाल सिंह नजर आए हैं। चर्चित निर्देशक रामाकांत प्रसाद की फिल्म गदर 2 का गाना हम चीज बड़ी हई मस्त उसी गाने का भोजपुरी संस्करण है, जिसमें निशा का जादू सर चढ़कर बोल रहा है। गाने में निशा काफी सेंशेसनल लुक में नजर आई हैं और डांस भी उनका बेहतरीन है। बता दें कि इन दिनों बॉलीवुड में पुराने गाने को नए म्यूजिक के साथ फिल्मों में प्रजेंट करने का ट्रेंड चला है, जिसमें कई गाने नए अवतार में पसंद भी किए गए हैं। इसी क्रम में पिछले साल अब्बास मस्तान ने भी अपनी फिल्म 'मशीन' में मोहरा के गाने का यूज किया था, जिसमें मुस्तफा और कायरा आडवाणी नजर आई थी। लोगों ने उस गाने को खूब पसंद किया था। उसके बाद अब निशा दुबे को लेकर रामाकांत प्रसाद ने इस गाने का भोजपुरी वर्जन हम चीज बड़ी हई मस्त को अपनी फिल्म में शामिल किया है। इस गाने को भोजपुरिया दर्शकों ने सर आंखों पर बिठा लिया है और अब तक वीनस म्यूजिक के यू-ट्यूब चैनल पर इस गाने को 376,455 बार देखा जा चुका है।

सपना चौधरी के नागिन डांस ने रोक दी जाटों की धड़कने, लोगों ने कर दी नोटो की बारिश

नई दिल्ली। सपना चौधरी जबरदस्त डांसर्स में से एक हैं। सपना चौधरी अपनी ठुमकों से ज्यादातक भारत के राज्यों को अपना दीवाना बना चुकी है। सपना चौधरी जब भी कई स्टेज शो

करती है वहां भीड़ बेकाबू हो जाती है। पुलिस को संभालना मुश्किल हो जाता है। सपना चौधरी को आज लोग उनके साम से जानते है। हरियाणा की रागनी गाना गा कर डांस करने वाली सपना आज बॉलीवुड तक पहुंच गयी है। सपना चौधरी जबरदस्त डांसर्स में से एक हैं। सपना चौधरी अपनी ठुमकों से ज्यादातक भारत के राज्यों को अपना दीवाना बना चुकी है। सपना चौधरी जब भी कई स्टेज शो करती है वहां भीड़ बेकाबू हो जाती है। पुलिस को संभालना मुश्किल हो जाता है। सपना के अब करोड़ो दीवाने है जो इसकी एक झलक देखना चाहते हैं। जाट समुदायों में सपना को लेकर काफी क्रेज है। इस समय सोशल मीडिया पर सपना चौधरी का एक पुराना डांस सॉन्ग काफी वायरस हो रहा है। इस गाने की शुरूआत सपना ने नागिन डांस मूव्स से की है। सपना के इस डांस को देखकर वहां बैठे लोगों ने हूटिंग शुरू कर दी। गाने में देखा जा सकता है वहां बैठे अधिकतर हरियाणा के लोग है। इस वायरल वीडियो में सपना चौधरी ने घूंघट ओढ़ रखा है। गाने का नाम 'घूंघट की ओठ में' है। गाने मे देखा जा सकता है कि स्टेज पर सपना के जलवे देखकर उनके फैन्स झूमने पर मजबूर हो जाते हैं।

राशिफल

क्लैपर ब्वॉय बना भारतीय सिनेमा का पहला शो मैन

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा को एक से बढ़कर नायाब फिल्में देने वाले पहले शो मैन राजकपूर बचपन के दिनों से अभिनेता बनना चाहते थे और इसके लिये उन्हें न सिर्फ क्लैपर ब्वॉय बनना पड़ा था। 14 दिसंबर 1924 को पेशावर (अब पाकिस्तान) में जन्मे राजकपूर जब मैट्रिक की परीक्षा में एक विषय में फेल हो गये तब अपने पिता पृथ्वीराज कपूर से उन्होंने कहा मैं पढना नही चाहता मैं फिल्मों में काम करना चाहता हूं मैं अभिनेता बनना चाहता हूं ।राजकपूर की बात सुनकर पृथ्वीराज कपूर की आंख खुशी से चमक उठी। राजकपूर ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत बतौर बाल कलाकार वर्ष 1935 में प्रदर्शित फिल्म इंकलाब से की। बतौर अभिनेता वर्ष 1947 में प्रदर्शित फिल्म नीलकमल उनकी पहली फिल्म थी। राज कपूर का फिल्म नीलकमल में काम करने का किस्सा काफी दिलचस्प है। पृथ्वीराज कपूर ने अपने पुत्र राज को केदार शर्मा की यूनिट में क्लैपर ब्वॉय के रूप में काम करने की सलाह दी।फिल्म की शूटिंग के समय वह अक्सर आइने के पास चले जाते थे और अपने बालो में कंघी करने लगते थे। क्लैप देते समय इस कोशिश में रहते कि किसी तरह उनका भी चेहरा कैमरे के सामने आ जाये। एक बार फिल्म विषकन्या की शूटिंग के दौरान राजकपूर का चेहरा कैमरे के सामने आ गया और हड़बडाहट में चरित्र अभिनेता की दाढी क्लैप बोर्ड में उलझकर निकल गयी।बताया जाता है केदार शर्मा ने राजकपूर को अपने पास बुलाकर जोर का थप्पड लगाया। हालांकि केदार शर्मा को इसका अफसोस रात भर रहा। अगले दिन उन्होने अपनी नयी फिल्म नीलकमल के लिये राजकपूर को साइन कर लिया। राजकपूर फिल्मों मे अभिनय के साथ ही कुछ और भी करना चाहते थे। वर्ष 1948 में आर.के.फिल्मस की स्थापना कर आग का निर्माण किया।वर्ष 1952 में प्रदर्शित फिल्म आवारा राजकपूर

के सिने करियर की अहम फिल्म साबित हुयी। फिल्म की सफलता ने राजकपूर को अंतराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। फिल्म का शीर्षक गीत ..आवारा हूं या गर्दिश में आसमान का तारा हूं.. देश..विदेश में बहुत लोकप्रिय हुआ। राजकपूर के सिने कैरियर मे उनकी जोडी अभिनेत्री नरगिस के साथ काफी पसंद की गयी। दोनों ने सबसे पहले वर्ष 1948 में प्रदर्शित फिल्म बरसात में नजर आयी। इसके बाद अंदाज,जान पहचान, आवारा, अनहोनी, आशियाना, अंबर, आह ,धुन ,पापी ,श्री 420 ,जागते रहो और चोरी चोरी जैसी कई फिल्मों में भी दोनों कलाकारों ने एक साथ काम किया। श्री 420 फिल्म में बारिश में एक छाते के नीचे फिल्माये गीत, प्यार हुआ इकरार हुआ में नरगिस और राजकपूर के प्रेम प्रसंग के अविस्मरणीय दृश्य को सिने दर्शक शायद ही कभी भूल पायें। राज कपूर ने अपनी बनायी फिल्मों के जरिए कई छुपी हुयी प्रतिभा को आगे बढने का मौका दिया इनमे संगीतकार शंकर जयकिशन गीतकार हसरत जयपुरी ,शैलेन्द्र और पाश्वगायक मुकेश जैसे बड़े नाम शामिल है।वर्ष 1949 में राजकपूर की निर्मित फिल्म बरसात के जरिये राजकपूर ने गीतकार के रूप में शैलेन्द्र .हसरत जयपुरी और संगीतकार के तौर पर शंकर जयकिशन ने अपने करियर की शुरूआत की थी। वर्ष 1970 में राजकपूर ने फिल्म मेरा नाम जोकर का निर्माण किया जो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह नकार दी गयी। अपनी फिल्म मेरा नाम जोकर की असफलता से राजकपूर को गहरा सदमा पहुंचा। उन्हें काफी आर्थिक क्षति भी हुयी। उन्होंने निश्चय किया कि भविष्य में यदि वह फिल्म का निर्माण करेगे तो मुख्य अभिनेता के रूप में काम नहीं करेगे। मुकेश को यदि राजकपूर की आवाज कहा जाये तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। मुकेश ने राजकपूर अभिनीत सभी फिल्मों में उनके लिये पाश्वगायन किया।

'सरहद पर जो वर्दी खाकी थी अब उसका रंग सफेद हुआ' गाना सुनकर नहीं रोक पाएंगे थे आंसु

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की फिल्म केसरी के तेरी मिट्टी गाने को लोगों ने खूब पसंद किया था। तेरी मिट्टी ने लोगों के मन में अपने देश और फौजियों के प्रति सम्मान को और बढ़ा दिया था। इस गाने ने देश के लिए खुशी से अपनी जान कुर्बान कर देने वाले फौजियों की मन की भावनाओं को आवाज दी है। ये गाना अभी तक लोगों ती जुबान पर चढ़ा हुआ है। देश के जवान खाकी वर्दी पहनते हैं। देश के जवान हम अपने घर पर सुकून से सो सकें उसके लिए वह बॉर्डर पर पेहरा देते हैं। दुश्मन के नापाक इरादों को मिट्टी में मिलाने के लिए खुद को कुर्बान कर देते हैं और हमारी हिफाजत करते हैं। इस समय भी देश पर एक बहुत बड़ा संकट आया है। कोरोना वायरस ने दुनियाभर में कोहराम मचा रखा है। अब तक इस महामारी को कोई इलाज नहीं मिला है। लोग लगातार दम तोड़ रहे हैं लाशें इतनी है कि दफनाने के लिए जमीन कम पड़ गई है। कोरोना वॉरियर्स को सलाम करते हुए गाना रिलीज किया गया है। इस गाने को बी प्राक ने ही गाया है। गाने के लिरिक्स मनोज मुंतसिर ने लिखे है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।